RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com
DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 29 MAY TO 04 JUNE 2024 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 36 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी इकोनॉमी बनाएगा यह इकोसिस्टम, जोरों से हो रहा काम

Page 3

मई में 18 वर्षों में सर्वाधिक तेजी से बढ़ा रोजगार, पुरानी कारों की मांग तेजी से बढ़ी

Page 5

दालों में आत्मनिर्भरता के दावों के बीच चना का घटता उत्पादन

Page 7

editoria!

सौर ऊर्जा में वृद्धि

वर्तमान वर्ष के पहले तीन महीनों में सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में 9.7 गीगावाट की रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है, जो 2023 में जनवरी से मार्च तक की अवधि में हुई वृद्धि से 414 प्रतिशत अधिक है. इस साल जनवरी से मार्च के बीच देश में 15.2 गीगावाट नयी ऊर्जा क्षमता जोड़ी गयी है, जिसमें सौर ऊर्जा का हिस्सा 66 प्रतिशत है. अब देश में स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 82 गीगावाट हो गयी है. स्वच्छ ऊर्जा क्षमता में सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी 43 प्रतिशत हो चुकी है. कुल ऊर्जा क्षमता में इसका हिस्सा बढ़कर 18.5 प्रतिशत हो गया है. उल्लेखनीय है कि ये आंकड़े बड़े पैमाने पर लगाये गये संयंत्रों की क्षमता के है. इनमें व्यक्तिगत स्तर पर लोगों द्वारा अपने घरों पर लगाये जा रहे सौर पैनलों की उत्पादन क्षमता शामिल नहीं है. ये आंकड़े इंगित करते हैं कि स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन और उपभोग को बढ़ाने का भारत का संकल्प उल्लेखनीय गति से साकार होने की ओर अग्रसर है. भारत सरकार ने 2030 तक बिजली उत्पादन क्षमता में गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों, यानी स्वच्छ ऊर्जा के योगदान को 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य निर्धारित किया था. वर्ष 2021 के जलवायु सम्मेलन में भारत ने कहा था कि देश में 2030 तक 500 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन होने लगेगा, जिससे एक अरब टन तक उत्सर्जन में कमी आ सकती है. स्पष्ट है कि ऐसे लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में हमारी प्रगति बहुत उत्साहजनक है. उल्लेखनीय है कि लगभग छह दशकों में पहली बार ऐसा हुआ है कि बिजली उत्पादन में कोयले की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से नीचे आयी है. धरती के तापमान को नियंत्रित रखने तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए उत्सर्जन घटाना और इस सदी के अंत तक उसे शून्य के स्तर पर लाना बहुत आवश्यक है. ऐसा करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन में निरंतर तीव्र वृद्धि के लिए प्रयास किये जाने चाहिए. भारत इसमें गिने-चुने अग्रणी देशों में शामिल हो चुका है. स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन क्षमता में भारत वैश्विक स्तर पर चौथे, पवन ऊर्जा के क्षेत्र में चौथे तथा सौर ऊर्जा के मामले में पांचवें स्थान पर है. स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने के लिए जहां आम लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है तथा घरों में सौर ऊर्जा पैनल लगाने के लिए सहयोग मुहैया कराया जा रहा है, वहीं व्यापक उत्पादन के लिए बड़े-बड़े संयंत्र भी लगाये जा रहे हैं. स्वच्छ ऊर्जा में वृद्धि के साथ इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं. साल 2020-21 की तुलना में 2021-22 में इस क्षेत्र में आठ गुना अधिक रोजगार सृजन हुआ था. इस क्षेत्र में मैन्युफैक्चरिंग और प्रशिक्षण को अधिक गति देने की आवश्यकता है.

Crude Oil Price

कच्चे तेल की कीमतों में फिर उबाल

OPEC+ की बैठक से पहले इन वजहों से बढ़ी टेंशन

एजेंसी

तेल उत्पादक देशों के संगठन OPEC+ की बैठक से पहले लाल सागर में एक जहाज पर एक और हमले से मिडिल ईस्ट में जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ा। इससे तेल की कीमतों में एक बार फिर आग लग गई। मंगलवार को ब्रेंट फ्यूचर्स 1.4 फीसदी मजबूत हुआ था और अब यह 84 डॉलर के पार चला गया है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट भी 80 डॉलर के पार है। इस साल मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के चलते तेल की कीमतें काफी चढ़ चुकी हैं। इसके अलावा ओपेक देशों के उत्पादन में कटौती के फैसले के चलते भी तेल में उबाल आया है। हालांकि ओपेक + के अलावा बाकी देशों से सप्लाई बढ़ने और एशिया में मांग कमजोर होने के चलते अप्रैल से इसके भाव थोड़े नरम पड़े। ओपेक की अब रविवार को ऑनलाइन बैठक होने वाली है।

मिडिल ईस्ट में कैसी है स्थिति?

ओपेक + देशों की बैठक रविवार को होनी है और इस बैठक से पहले लाल सागर में एक जहाज पर हमला हो गया। न्यूज एजेंसी ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक एक भारी-भरकम जहाज पर हमला हुआ है। वहीं मिडिल ईस्ट में और भी अहम घटनाएं हुई हैं। इजराईल के टैंक जमीनी हमले में दक्षिणी गजा के शहर रफा के केंद्र में पहुंच गए हैं। इसका असर दुनिया भर के बाजारों पर दिख सकता है।

ब्याज दरों से जुड़ी चुनौतियां भी कायम

अमेरिका में फेडल रिजर्व बैंक ऑफ मिनेपोलिस के प्रेसिडेंट नील कशकरी का कहना है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक की नीतिगत रुझान अभी दरों को स्थिर रखने को लेकर है लेकिन फिर से ब्याज दरों में बढ़ोतरी के विकल्प को पूरी तरह से खारिज भी नहीं किया गया है। अभी मार्केट का अनुमान है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक के पॉलिसीमेकर्स वॉशिंगटन में जब 11-12 जून को मुलाकात करेंगे, तो दरों को स्थिर रखने की गुंजाइश है। मार्केट के अनुमान के मुताबिक नीतिगत दरें 23 साल के हाई पर बनी रह सकती हैं।

चीन का शटर डाउन! भारत बनेगा दुनिया की दुकान

6 साल में बदल जाएगा खेल, होगी 70 लाख करोड़ की कमाई

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियान का असर अब दिखने लगा है। भारत जल्द ही दुनिया की नई दुकान बन जाएगा। चीन का शटर अब डाउन होने की राह पर है और पूरी दुनिया की निगाहें भारत की ओर उठी हुई हैं। यह दावा दुनिया की सबसे विश्वसनीय रेटिंग एजेंसियों में शुमार जामान के नोमुरा ने किया है। नोमुरा का कहना है कि दुनिया अब चीन के अलावा भी विकल्प खोज रही है, जिसका सबसे ज्यादा फायदा भारत को मिलने वाला है। इससे आने वाले 6 साल में ही भारत का निर्यात दोगुना हो सकता है।

भारत दुनिया के लिए निर्यात का नया हब बन रहा है और इसकी बानगी निर्यात के हालिया आंकड़ों से भी समझ में आती है। नोमुरा ने बताया कि साल 2023 में भारत का कुल निर्यात 431 अरब डॉलर था, जो 2030 तक दोगुना होकर 835 अरब डॉलर (करीब 70 लाख करोड़ रुपये) पहुंच सकता है। इसकी वजह ये है कि दुनिया सप्लाई चेन के लिए चीन के विकल्प के रूप में भारत और वियतनाम की ओर देख रही है।

किस सेक्टर में सबसे ज्यादा संभावना

नोमुरा की मानें तो भारत के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े, खिलौने, ऑटोमोबाइल, उपकरण, कैपिटल गुड्स और सेमीकंडक्टर जैसी चीजों के निर्यात में काफी स्कोप है. विदेशी कंपनियां भी इन सेक्टर्स में निवेश करने को आतुर दिख रही हैं और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) जैसी योजनाओं से उन्हें आकर्षित करने में मदद भी मिल रही है। भारत में उपभोक्ता बाजार भी काफी बड़ा है, जिससे खपत भी लगातार बढ़ रही है. नोमुरा ने कहा है कि इन सारे फैक्टर्स को देखें तो भारत का निर्यात सालाना 10 फीसदी की दर से बढ़ सकता है. इसमें भी इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर 24 फीसदी की दर से ग्रोथ कर रहा है।

2 सेक्टर्स पर सबसे ज्यादा दांव

भारत को 2 सेक्टर्स से ही करीब 143 अरब डॉलर के निर्यात की संभावना दिख रही है. इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र 2030 तक तीन गुना बढ़कर 83 अरब डॉलर, मशीनरी दोगुना बढ़कर 61 अरब डॉलर पहुंच सकता है. हालांकि इसके लिए सरकार को पीएलआई स्कीम का दायरा और बढ़ाना चाहिए. नोमुरा ने कहा, भारत के पास काफी क्षमता है और अगर सरकार पीएलआई स्कीम पर ज्यादा दांव लगाती है तो निर्यात और उत्पादन बढ़ाने में बड़ी सफलता मिल सकती है. इस तरह ग्लोबल ट्रेड में भारत की हिस्सेदारी भी बढ़कर 2.8 फीसदी पहुंच सकती है।

दुनिया की 130 कंपनियों के सर्वे में खुलासा

नोमुरा ने दुनिया की टॉप 130 कंपनियों के बीच एक सर्वे किया है, जिसमें अधिकतर ने भारत और वियतनाम में अपनी रुचि दिखाई है. भारत में ज्यादातर निवेश अमेरिकी कंपनियां ने करने की बात कही है, खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में. जापान और कोरिया भारत के ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल और इलेक्ट्रॉनिक्स में निवेश की बात कही है. साथ ही यहां उत्पादन इकाई लगाने की बात भी कही है। नोमुरा का कहना है कि इस कदम से भारत के कॉरपोरेट सेक्टर की कमाई भी आने वाले कुछ साल तक 12 से 17 फीसदी की दर से बढ़ती दिख रही है।

एसबीआई ने ये क्या कर दिया? 230,000 कर्मचारी को हो सकती है परेशानी

नई दिल्ली। एजेंसी

देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई (एँच) ने अपने 230,000 से अधिक कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए एक खास निर्देश जारी किया है। बैंक का कहना है कि इन लोगों को बाहरी ब्रोकरेज के साथ डीमैट अकाउंट खोलने से बचना चाहिए और एसबीआई की अपनी ब्रोकरेज कंपनी एसबीआई सिक्योरिटीज (SBI Securities) में खाता खोलना चाहिए। अगर एसबीआई का कोई कर्मचारी किसी अन्य ब्रोकरेज के साथ डीमैट अकाउंट खोलना चाहता है तो इसके लिए उसे छह महीने के भीतर अपने कंट्रोलर से पूर्व अनुमति लेनी होगी। कंट्रोलर चीफ जनरल मैनेजर के पद से नीचे का नहीं होना चाहिए। एसबीआई के डिप्टी एमडी ने 27 मई को सभी कर्मचारियों को लिखे पत्र में यह बात कही। डिप्टी एमडी बैंक को कॉर्पोरेट डेवलपमेंट के प्रमुख भी हैं। एसबीआई की देशभर में 22,500 शाखाओं में 230,000 से अधिक कर्मचारी हैं। एसबीआई ग्रुप देश की म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में सबसे बड़ा एसेट मैनेजर है। इसका एसेट अंडर मैनेजमेंट (AUM) आईसीआईसीआई ग्रुप (ICICI Group) या एचडीएफसी ग्रुप (HDFC Group) द्वारा संचालित पूल्ड फंड से अधिक हैं। पत्र में यह भी कहा गया है कि कर्मचारियों को अपने और अपने पूर्ण रूप से आश्रित परिवार के सदस्यों के डीमैट या ट्रेडिंग अकाउंट्स का विवरण सत्यापन के लिए अपने संबंधित कंट्रोलर्स को तिमाही आधार पर प्रस्तुत करना चाहिए। निर्देश में यह भी कहा गया है कि इन निर्देशों का उल्लंघन घोर कदाचार माना जाएगा।

NYC के पर्यटकों से रिकॉर्ड 4.9 अरब डॉलर का टैक्स रेवेन्यू हुआ प्राप्त, महामारी-पूर्व स्तर को किया पार- रिपोर्ट

New York City Tax Revenue: पर्यटकों से प्राप्त न्यूयॉर्क शहर का कर राजस्व (टैक्स रेवेन्यू) महामारी से पहले के स्तर को पार कर गया है। इसके पीछे अमेरिकी विजिटर्स की संख्या में बढ़ोतरी को कारण बताया गया है, जिसने अंतरराष्ट्रीय और व्यावसायिक यात्रा में गिरावट की भरपाई करने में मदद की है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य नियंत्रक थॉमस डायनापोली ने 23 मई को जारी एक रिपोर्ट में कहा कि पिछले साल 62.2 मिलियन लोगों ने बिग एप्पल (न्यूयॉर्क सिटी) का दौरा किया। जबकि यह संख्या 2019 के 66.6 मिलियन पर्यटकों से कम है।रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल के पर्यटकों से चालू वित्त वर्ष में बिक्री और अन्य पर्यटन-संबंधी कर राजस्व में रिकॉर्ड 4.9 बिलियन डॉलर उत्पन्न होने की उम्मीद है, जोकि 2020 से 16 फीसद की बढ़ोतरी है। यह बढ़ोतरी आंशिक रूप से होटल के कमरों और अन्य सेवाओं की बढ़ती कीमतों के कारण है।

रफ्तार धीमी है, लेकिन स्थिर आर्थिक सुधार कर रहा न्यूयॉर्क सिटी

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 की शुरुआत में शुरू हुए कोविड-19 के प्रकोप ने सबसे बड़े अमेरिकी शहर को पंगु बना दिया, हजारों निवासियों की मौत हो गई, कार्यालय और खुदरा बाजार तबाह हो गए और कई लोग उपनगरों और अन्य राज्यों में जाने के लिए मजबूर हो गए। ब्रॉडवे शो, संग्रहालयों और अन्य स्थलों पर विजिटर्स की वापसी के साथ शहर धीमा लेकिन स्थिर आर्थिक सुधार कर रहा है। पर्यटकों की संख्या के संबंध में डायनापोली ने कहा कि अधिकारियों को इस साल महामारी-पूर्व के स्तर को पार करने की उम्मीद थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की उम्मीद से धीमी वापसी ने उन्हें पूर्वानुमान को 2025 तक पीछे धकेलने के लिए मजबूर कर दिया है, जब शहर 68 मिलियन विजिटर्स की मेजबानी की उम्मीद कर रहा है।

पूरी रिकवरी के लिए अंतरराष्ट्रीय और व्यापारिक यात्रियों पर नजर!

डायनापोली ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय और व्यापारिक यात्रियों की पूरी तरह से वापसी पर ही उद्योग की रिकवरी पूरी होगी। उन्होंने कहा, ''हमारे शहर और राज्य के नेताओं को न्यूयॉर्क को दुनिया भर के व्यक्तियों और परिवारों के लिए एक डिजायरेबल और सुरक्षित गंतव्य बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।'' रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय विजिटर्स शहर के वार्षिक विजिटर्स का लगभग 20 फीसद बनाते हैं। इसके अलावा, डायनापोली ने यह भी बताया कि न्यूयॉर्क शहर का पर्यटन उद्योग कुल मिलाकर अब भी 10.4 फीसद नीचे है या लगभग 30,000 जॉब्स की कमी है।

भारतीय बीयर इंडस्ट्री में अब आएगा तूफान, वर्ल्ड ब्रूविंग अलायंस का भारतीय चैप्टर हुआ शुरू

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में भी बीयर इंडस्ट्री बड़ी हो गई है। लेकिन दुनिया भर में इसकी धमक इसलिए पहुंच पाती है क्योंकि कुछ समय पहले तक इसकी पहुंच वर्ल्ड ब्रूविंग अलायंस (World Brewing Alliance) तक नहीं हो पाई थी। यह संगठन बीयर इंडस्ट्री की दुनिया में सबसे बड़ी संस्था है। आज इसका भारतीय चैप्टर खुल गया। इससे भारत में जुड़ा है ब्रूवर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (Brewers Association of India)। इस संगठन की शुरुआत देश में बीयर बनाने वाली कुछ बड़ी कंपनियों ने की है। माना जा रहा है कि इस शुरुआत से भारतीय बीयर इंडस्ट्री की तेजी से विकास कर सकेगी। साथ ही वैश्विक स्तर पर भी इसकी पहचान मजबूत होगी।

किसने बनाया बीएआई

भारत में बीयर की सबसे बड़ी बीयर निर्माता कंपनियों में शामिल हैं यूनाइटेड ब्रूवरीज (United Breweries), एबी-इनबेव (AB-InBev) और कार्ल्सबर्ग (CarlWerg)। यूनाइटेड ब्रूवरीज का अग्रणी ब्रांड किंगफिशर (Kingfisher) है। पहले यह कंपनी भगोड़े उद्योगपति विजय माल्या की हुआ करती थी। अब इसे हेनिकेन (Heineken) ने खरीद लिया है। एबी-इनबेव (AB-InBev) का बीयर ब्रांड कोरोना (Corona), बडवाइजर (Budweiser) और हेवार्ड्स (Haywards) है। कार्ल्सबर्ग का बीयर ब्रांड कार्ल्सबर्ग (CarlWerg) और टुबॉर्ग (Tuborg) है। इन्होंने मिल कर ही ब्रूवर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (BAI) के शुभारंभ की घोषणा की है। इन तीनों कंपनियों की भारत के बीयर बाजार में करीब 85 फीसदी की हिस्सेदारी है।

क्या होगा फायदा

नवगठित ब्रूवर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (BAI) के नेतृत्वकर्ता विनोद गिरी का कहना है कि यह एक नया उद्योग संगठन है। यह भारत में बीयर श्रेणी को बढ़ाने और भारतीय बीयर बाजार में नव प्रवर्तन, संयम और स्थिरता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। उनका कहना है कि BAI की स्थापना वर्ल्ड ब्रूइंग अलायंस (WBA) के साथ साझेदारी में की जा रही है जो ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूके, यूएसए, यूरोप, जापान, कोरिया, लैटिन अमेरिका, ब्राजील, न्यूजीलैंड और नाइजीरिया के ब्रूवर्स और ब्रूवर्स ट्रेड एसोसिएशनों से मिलकर बना वैश्विक उद्योग निकाय है। WBA का लक्ष्य ब्रूवर्स और अन्य हितधारकों के बीच ज्ञान और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करना है। यह विभिन्न दर्शकों और हितधारकों के लिए उद्योग की वैश्विक, एकीकृत आवाज़ है।

भारतीय बीयर उद्योग में इनोवेशन को मिलेगा बढ़ावा

BAI के लॉन्च के अवसर पर वर्ल्ड ब्रूइंग अलायंस के अध्यक्ष और सीईओ जस्टिन किसिंजर ने कहा कि 'ब्रूवर्स स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने, समुदायों को समृद्ध बनाने और बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणाम प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इन मुद्दों पर ब्रूवर्स के लिए अपनी आवाज़ उठाने का यह सही समय है। मुझे कोई संदेह नहीं है कि ब्रूवर्स ऑफ इंडिया भारत के बीयर उद्योग में उत्कृष्टता और नवाचार के एक नए युग की शुरुआत करेगा।'

भारत के बड़े प्लेयर्स ने की है शुरुआत

ऐसा कहा जा रहा है कि भारतीय बीयर उद्योग का नया एसोसिएशन उद्योग की एकीकृत आवाज़ बनने जा रहा है। क्योंकि AB-InBev, CarlWerg और United Breweries मिलकर भारत में बीयर की बिक्री का लगभग 85% की हिस्सेदारी रखते हैं। भारत में CarlWerg की सात ब्रूवरीज, United Breweries की 19 ब्रूवरीज और AB-InBev India पूरे भारत में 10 ब्रूवरीज संचालित करती है। साथ मिलकर, ये कंपनियां भारत में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 7000 से अधिक लोगों को रोजगार देती हैं।

भारत में बीयर उद्योग की क्या है स्थिति

भारत में बीयर उद्योग तेजी से विकास कर रहा है। पिछले साल देश भर में 31 मिलियन हैक्टोलीटर (एक हैक्टोलीटर, 100 लीटर) बीयर पिया गया था। इससे पहले, मतलब कि साल 2022 में 29.2 मिलियन हैक्टोलीटर बीयर बिका था। तभी तो दुनिया भर के ब्रांड भारत आ रहे हैं। अब बीयर में दुनिया में बीयर उद्योग का सबसे बड़ा संगठन भी भारत में चैप्टर खोल दिया।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर देश का विदेशी मुद्रा भंडार $4.55 अरब की लगाई छलांग

नई दिल्ली। एजेंसी

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 मई को समाप्त सप्ताह में 4.55 अरब डॉलर बढ़ गया। इस बढ़त के साथ यह 648.7 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह विदेशी मुद्राभंडार में बढ़ोतरी का लगातार तीसरा सप्ताह है। इससे पहले के सप्ताह में यह 2.56 अरब डॉलर बढ़कर 644.15 अरब डॉलर रहा था। पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में यह 648.56 अरब डॉलर के सर्वकालिक ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। भारत की तरह ही 17 मई खत्म हुए हफ्ते के दौरान पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में भी इजाफा हुआ है। यह 2.20 करोड़ डॉलर बढ़कर 9.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 17 मई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां (FCA) 3.36 अरब डॉलर बढ़कर 569.01 अरब डॉलर हो गई।

कहां होता है एफसीए का इस्तेमाल?

डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। एफसीए का इस्?तेमाल केवल उन लेनदेन के लिए किया जा सकता है जो विदेशी मुद्रा में किए जाते हैं। इसका उपयोग घरेलू लेनदेन के लिए नहीं किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व में भी शानदार बढ़ोतरी

रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार यानी गोल्ड रिजर्व का मूल्य 1.24 अरब डॉलर बढ़कर 57.19 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार यानी एसडीआर 11.3 करोड़ डॉलर की बढ़त के साथ 18.17 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा 16.8 करोड़ डॉलर घटकर 4.33 अरब डॉलर रह गई।

पाकिस्तान, श्रीलंका और नेपाल की कंबाइंड GDP पर भारी हमारी LIC, जानिए कैसे

नई दिल्ली। एजेंसी

शेयरों में हाल में आई उछाल के बाद देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी (LIC) का एसेट अंडर मैनेजमेंट 50 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। यह पाकिस्तान की इकॉनमी के साइज से करीब दोगुना है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक एलआईसी का एसेट अंडर मैनेजमेंट पिछले साल से मुकाबले मार्च के अंत में 16.48 फीसदी की तेजी के साथ 51,21,887 करोड़ रुपये यानी करीब 616 अरब डॉलर पहुंच गया। फाइनेंशियल ईयर 2023 के अंत में यह 43,97,205 करोड़ रुपये था। आईएमएफ के आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तान की जीडीपी 338.24 अरब डॉलर है। इस तरह देखें तो एलआईसी का एसेट अंडर मैनेजमेंट पाकिस्तान की इकॉनमी से करीब दोगुना है।एलआईसी के फंड का साइज पाकिस्तान (338 अरब डॉलर), नेपाल (44.18 अरब डॉलर) और श्रीलंका (74.85 अरब डॉलर) की कंबाइंड जीडीपी से अधिक है। फाइनेंशियल ईयर 2024 में एलआईसी का प्रॉफिट 40,676 करोड़ रुपये रहा और उसकी टोटल प्रीमियम इनकम 4,75,070 करोड़ रुपये रही। भारत के लाइफ इंश्योरेंस बिजनस में इस कंपनी की हिस्सेदारी करीब 59 परसेंट है। अब कंपनी हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर में भी उतरने की तैयारी में है। एलआईसी मार्केट कैप के हिसाब से देश की सातवीं सबसे बड़ी कंपनी है। इसका मार्केट कैप 6.46 लाख करोड़ रुपये है। पिछले छह महीने में इसके शेयरों में करीब 52 फीसदी तेजी आई है। इसमें सरकार की 96.5 फीसदी हिस्सेदारी है।

खस्ताहाल पाकिस्तान

भारत की इकॉनमी जहां तेजी से बढ़ रही है, वहीं पाकिस्तान सबसे खराब आर्थिक हालात का सामना कर रहा है।

साइबर सुरक्षा में भी भारत की जय-जयकार

NATO का ये देश चीन संग जंग में भारत से लगा रहा मदद की गुहार

एजेंसी।

छोटे से देश ने 2022 में साइबर अटैक के 27115 मामले दर्ज किए हैं। इनमें से 2672 हाई इम्पैक्ट वाले थे। इसी गंभीरता ने एस्टोनिया को भारत की तरफ मुड़ने को मजबूर किया । पूर्वी एशियाई देश फिलीपीन्स के बाद दक्षिण अफ्रीकी देशों और यूरोपीय देशों में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और अन्य रक्षा उपकरणों की की बढ़ती मांगों के बीच अब भारत की साइबर सुरक्षा उपकरणों और तकनीक की भी मांग दुनियाभर के देशों में होने लगी है। अभी हाल ही में ँऊध के एक सदस्य देश ने चीन के साइबर अटैक से तंग होकर भारत से मदद की गुहार लगाई है ताकि भारतीय साइबर सुरक्षा तकनीक का इस्तेमाल कर वह चीन से दो-दो हाथ कर सके।

यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, NATO के छोटे से बाल्टिक सदस्य, एस्टोनिया (Estonia) ने चीनी साइबर हमलों और हैकिंग की समस्या से निपटने के लिए भारत से साइबर सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए मदद की मांग की है। 10 लाख की आबादी वाले इस देश ने भारत के साथ साइबर सुरक्षा घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा जताई है। दोनों देशों ने इस पर आगे बढ़ने का फैसला किया है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब युद्धग्रस्त यूक्रेन समेत 40 देशों ने एस्टोनिया की राजधानी टालिन में कुछ दिनों पहले साइबर सुरक्षा पर महासम्मेलन किया और चीनी खुराफात से निपटने की तकनीक और रणनीति पर मंथन किया। इसी बैठक में साइबर सुरक्षा पर अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाने का फैसला किया गया है। एस्टोनिया ने चीनी साइबर हमलों से तंग आकर ना सिर्फ चीनी हैकरों के खिलाफ़ कड़ा रुख अपनाया है बल्कि अब इस जंग में भारत से भी मदद पाने के लिए हाथ बढ़ाया है। एस्टोनिया के रक्षा मंत्री हनो पेवकुर ने चीनी सरकार पर साइबर हमले करने के लिए पेशेवरों को काम पर रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'इस बुराई से लड़ने के लिए तैयार हर देश का हम स्वागत करते है।' उन्होंने कहा कि साइबर हमलों और खतरों से निपटने के लिए भारत और एस्टोनिया ने हाथ मिलाए हैं और हम भारतीय रक्षा प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत करते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि छोटे से देश ने 2022 में साइबर अटैक के 27115 मामले दर्ज किए हैं। इनमें से 2672 हाई इम्पैक्ट वाले थे। इसी गंभीरता ने एस्टोनिया को भारत की तरफ मुड़ने को मजबूर किया है। एस्टोनिया के आर्थिक मामलों और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री टिट रीसालो ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की क्षमता को स्वीकार करते हुए कहा कि भारत आईटी महाशक्ति है, जबकि एस्टोनिया साइबर हमलों से त्रस्त देश है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को चीनी साइबर अटैक और हैकरों के इरादों के बारे में एस्टोनिया की तुलना में अधिक जानकारी है। उन्होंने कहा कि भारत से साइबर सुरक्षा में घनिष्ठ सहयोग के माध्यम से एस्टोनिया चीनी हैकरों को मुंहतोड़ जवाब दे सकेगा।

नहीं संभल रहा है बाजार, फिर भारी गिरावट... निवेशक मायूस

एजेंसी

शेयर बाजार में पिछले कुछ दिनों से गिरावट का सिलसिला जारी है। 29 मई 2024 को बाजार में भारी गिरावट (Stock Market Crash) देखी गई है। संसेक्स 668 अंक टूटकर 74502 लेवल पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 183 अंक गिरकर 22,704 लेवल पर बंद हुआ। वहीं बैंक निफ्टी में 640 अंक की गिरावट आई और यह 48500 पर रहा। BSE के टॉप 30 शेयरों में से सिर्फ 6 स्टॉक में तेजी रही, जबकि 24 स्टॉक लाल निशान पर बंद हुए। बीएसई के टॉप 30 शेयरों में से सबसे ज्यादा गिरावट टेक महिंद्रा (ऊाम्प ईंग्प्ईं) के शेयरों में 2.26 फीसदी का हुआ। इसके बाद बाजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर करीब 2 फीसदी तक टूट गए. पावरग्रिड के शेयर 1.33 फीसदी चढ़कर 316.95 रुपये पर बंद हुए।

NSE के कुल 2,715 शेयरों में से 1,124 स्टॉक में तेजी रही, जबकि 1,481 स्टॉक में बड़ी गिरावट आई। वहीं 110 शेयर अनचेंज रहे। 74 शेयर 52 सप्ताह के हाई पर थे और 40 शेयर 52 सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गए। एनएसई के 107 शेयरों में अपर सर्किट रहा और 98 स्टॉक में लोअर सर्किट लगा।

इन पांच शेयरों में बड़ी गिरावट

PNB Housing Finance के शेयर 6.61 फीसदी टूटकर 735 रुपये पर बंद हुआ। उज्जीवन स्माल फाइनेंस बैंक के शेयर में करीब 5 फीसदी की गिरावट आई। इसके अलावा, डिलिवरी के शेयर में 3.26 फीसदी, आईसीआईसीआई प्रूडेशियल 4.52 फीसदी और IRCTC के शेयर में 3.71 फीसदी की गिरावट आई।

12 फीसदी तक चढ़े ये स्टॉक

गिरते बाजार में भी कुछ शेयरों ने शानदार रैली दिखाई है। टीटागढ़ रेल सिस्टम के शेयर करीब 12 फीसदी चढ़कर 1400 पर बंद हुए. इसके साथ ण्दम्प्ह एप्र्ज्ञ्ँ के शेयर 5.7 फीसदी चढ़कर 2018 रुपये, हुडको के शेयर 5 फीसदी चढ़कर 262 रुपये, मझगांव डॉक शिपयॉर्ड 11 फीसदी चढ़कर 3,357 रुपये, भारत डायनेमिक के शेयर 6 फीसदी और संवर्धन मदर के शेयर में 4 फीसदी की तेजी आई।

शक्ति पंप्स को इनोवेटिव मोटर टेक्नोलॉजी के लिए मिला 14 वां पेटेंट

पीथमपुर। आईपीटी नेटवर्क

भारत में सोलर पंप और मोटर बनाने वाली अग्रणी निर्माता कम्पनी शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड को 'मेथड एंड ऐपरेटस फॉर सॉफ्ट स्टार्ट, सॉफ्ट स्टॉप, प्रोटेक्शन एंड ब्राउन आउट ऑपरेशन ऑफ़ अ ग्रिड कनेक्टेड मोटर' का आविष्कार करने के लिए पेटेंट प्राप्त हुआ है। 'भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने पेटेंट अधिनियम 1970 में निर्धारित प्रावधानों का पूरी तरह से पालन करते हुए शक्ति पंप्स को यह पेटेंट प्रदान किया है। यह पेटेंट दाखिल करने की तारीख से 20 वर्षों की अवधि के लिए मान्य है। यह कम्पनी को मिला 14 वां पेटेंट है।

यह पेटेंट तकनीक मोटर और ग्रिड विद्युत प्रणालियों दोनों के लिए कई प्रमुख लाभ प्रदान करती है। यह मोटर की गति को धीरे-धीरे बढ़ाकर, सॉफ्ट स्टार्टर मोटर और जुड़े उपकरणों पर मेकेनिकल स्ट्रेस को कम करता है जिससे मोटर की लाइफ बढ़ती है साथ ही मेंटेनेंस कॉस्ट भी कम होती है। यह पारंपरिक स्टार्टिंग टेक्निक के सडन टॉर्क और मैकेनिकल शॉक को खत्म करते हुए, एक स्मूथ और नियंत्रित स्टार्ट देती है, जो सेंसिटिव उपकरणों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है। यह नई पेटेंट तकनीक मोटर और ग्रिड विद्युत प्रणालियों में इनपुट को बूस्ट करती है।

शक्ति पंप्स के चेयरमैन, दिनेश पाटीदार ने इस उपलब्धि पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि, 'हमें गर्व है कि हमने अपना 14वां पेटेंट प्राप्त किया, जो इनोवेशन और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण योगदान है। सॉफ्ट स्टार्टर और स्टॉप शक्ति पंप्स की पेटेंट तकनीक की प्रमुख विशेषता है जो मोटर में एक्सिलरेशन और डीएक्सिलरेशन पर नियंत्रण प्रदान करती हैं और मैकेनिकल स्ट्रेस को कम करती हैं । कन्वेयर सिस्टम, पंप, एचवीएसी सिस्टम और मशीनिंग जैसे एप्लीकेशन में सुरक्षा को बढ़ाती हैं। मोटर स्टार्ट के दौरान करंट को कम करके, वोल्टेज को कम करती है । ज्यादा विद्युत की आवश्यकता को कम करती है। जिससे सिस्टम एफिशिएंसी, विश्वसनीयता और मोटर की लाइफ में सुधार होता है। इसे जनरेटर से चलने वाली एसी मोटर्स के साथ भी चलाया जा सकता है। शक्ति पंप्स वैश्विक विद्युत प्रणाली के लिए बेहतर समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी इकोनॉमी बनाएगा यह इकोसिस्टम, जोरों से हो रहा काम

एजेंसी

अमेजन वेब सर्विसेज (AWS) के वरिष्ठ अधिकारी कुमार राघवन ने कहा है कि भारत में स्टार्टअप इकोसिस्टम मैच्योर है और इसमें कई अनुकूल परिस्थितियां भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

राघवन भारत और दक्षिण एशिया में एडब्ल्यूएस के स्टार्टअप प्रमुख हैं। राघवन ने जीवंत भारतीय स्टार्टअप परिदृश्य पर चर्चा की और इसकी ताकत तथा नवाचार क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं।

मैच्योर है भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम

इसमें योगदान देने वाले कारक श्रम वृद्धि, बुनियादी ढांचे की वृद्धि और दक्षता में सुधार हैं, जहां रचनात्मक कृत्रिम मेधा (जेनएआई) जैसी प्रौद्योगिकियां अपनी भूमिका निभाएंगी।'' उन्होंने कहा कि इनके अलावा एक बड़े डेवलपर पारिस्थितिकी तंत्र की मौजूदगी, देश में उत्पाद बनाने और दुनिया भर में सेवा देने की क्षमता और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (PLI) योजना जैसी नियामक अनुकूल परिस्थितियां भी हैं। राघवन ने भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की परिपक्वता की सराहना की।

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम

उन्होंने कहा कि इसमें ऐसे अनुभवी संस्थापकों के महत्वपूर्ण योगदान को ध्यान में रखा गया, जिन्होंने कई उद्यम शुरू किए हैं। उन्होंने कहा, 'हम दुनिया में तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र हैं। हमारे लिए कुछ अनुकूल परिस्थितियां जारी हैं।' राघवन ने कहा, 'पिछले सात-आठ साल में हमने संस्थापकों को कई स्टार्टअप शुरू करते हुए देखा है।' उन्होंने कहा कि अनुभव की इस संपदा ने न केवल स्टार्टअप को गति दी है, बल्कि उनकी सफलता की संभावना भी बढ़ा दी है।

मेक इन इंडिया का कमाल! रूस को विमानों के कलपुर्जे और इंजीनियरिंग सामान एक्सपोर्ट कर रहा भारत

नई दिल्ली। एजेंसी

पिछले साल भारत से रूस को एक्सपोर्ट में काफी तेजी देखने को मिली। यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देशों ने रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। इस कारण भारत से इंजीनियरिंग वस्तुओं, मशीनरी और मशीन पार्ट्स तथा विमान कुलपुर्जों के निर्यात में काफी तेजी देखने को मिली। लेकिन दवा, चाय, कॉफी और तम्बाकू जैसी पारंपरिक वस्तुओं के निर्यात में स्थिरता या गिरावट रही। कारोबार में लगी संस्थाओं का कहना है कि भारत से आयात करने में जबरदस्त दिलचस्पी देखने को मिली है लेकिन प्रतिबंधों के डर और ट्रांजैक्शंस को पूरा करने में बैंकों की ना-नुकुर ने निर्यातकों की चिंता बढ़ा दी है। जानकारों का मानना है कि रूस को कुछ सामान यूएई के माध्यम से भेजा जा सकता है, जिसे यूक्रेन और रूस में तनाव से काफी फायदा हुआ है।यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने भारत को डिस्काउंट पर कच्चा तेल देना शुरू किया था। इस कारण रूस से बड़े पैमाने पर क्रूड का आयात किया जा रहा है। इससे रूस भारत का चौथा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर बन गया है। दोनों देशों के बीच 65.7 अरब डॉलर का ट्रेड होने का अनुमान है। हालांकि इसमें भारत का व्यापार घाटा 57 अरब डॉलर है जो भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार घाटा है। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा सबसे ज्यादा है। हालांकि हाल ही में रूसी निर्यातकों को अधिक स्वतंत्र रूप से निवेश करने की अनुमति देने के लिए कदम उठाए गए हैं। रूस में निर्यात के अवसरों का पता लगाने के लिए कई व्यापार मिशन भी बनाए गए हैं, जिनमें से कुछ रुपी बैलेंस का यूज कर सकते हैं।

एक्सपोर्टर्स की चिंता

लेकिन एक्सपोर्टर्स इस बात से भी चिंतित हैं कि बैंक ट्रांजेक्शन को पूरा करने में ना-नुकुर कर रहे हैं। एक बड़े एक्सपोर्टर ने कहा, 'अधिकांश भारतीय बैंक संभावित प्रतिबंधों के डर से इस बिजनस में हाथ नहीं डालना चाहते हैं।' SberBank जैसी रूसी संस्थाएं अपनी भारतीय ब्रांच के जरिए फंड के तैयार हैं लेकिन घरेलू बैंक इससे बचना चाहते हैं। पिछले दो वर्षों से रूस के साथ सभी तरह का कारोबार बंद करने वाले एक अन्य निर्यातक ने कहा, 'मेरी सलाह है कि वे सभी निर्यात एक छोटी सहायक कंपनी के माध्यम से करें ताकि कारोबार के अन्य हिस्सों पर किसी तरह का प्रतिबंध न लगे।' हालांकि, एक जर्मन खरीदार इस निर्यातक से माल खरीद रहा है और फिर रूस को निर्यात कर रहा है।

रूस पर प्रतिबंधों के बाद ऑटो कम्पोनेंट जैसे क्षेत्रों में काफी रुचि देखी गई थी, लेकिन अमेरिकी खरीदारों और ग्लोबल कार कंपनियों के साथ भारतीय कंपनियों के एक्सपोजर के कारण वे इससे दूरी बना रही है। ताजा आधिकारिक आंकड़ों से पता चला है कि 2023-24 में रूस को निर्यात 35% से अधिक बढ़कर 4.3 अरब डॉलर हो गया, जबकि भारत का कुछ एक्सपोर्ट 3% गिरा है। 1.2 अरब डॉलर की वृद्धि में से लगभग आधी वृद्धि मशीनों और इलेक्ट्रॉनिक्स सहित मशीन भागों के कारण हुई।

गर्मी बढ़ी तो एसी-कूलर-पंखे खरीदने टूट पड़े लोग, जान लीजिए आंकड़े

नई दिल्ली। एजेंसी

पिछले कुछ दिनों से गर्मी का सितम कहर बन कर टूटा है। दिल्ली-एनसीआर में तो स्थिति विस्फोटक हो गई है। रात में 10 बजे भी घर से बाहर निकलें तो ऐसा लग रहा है कि उस समय भी लू के थपेड़े चल रहे हों। बढ़ी गर्मी की वजह से इन दिनों एयर कंडीशनर, एयर कूलर और नए जमाने के पंखे जो कि बिजली कम खर्च करते हैं, की बिक्री खूब बढ़ गई है। स्थिति यह है कि पिछले महीने तक जो लोग एयर कूलर खरीदने की सोच रहे थे, वे भी एसी खरीद रहे हैं।

दो गुनी हो रही है बिक्री

एसी और कूलर की बिक्री पर ई-कॉमर्स पोर्टल ऐमजॉन के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस समय दक्षिण भारत, पशचिम भारत, पूर्वी भारत हो या उत्तरी भारत, हर इलाके में एसी और कूलर की बिक्री बढ़ी है। पिछले दिनों कितनी बढ़ी है बिक्री , इस पर उन्होंने आंकड़े तो नहीं बताए, बस इतना बताए कि पिछले साल के मुकाबले इस साल दूनी बिक्री हुई है। उनहोंने बताया कि इन दिनों फाइव स्टार एसी और वाई-फाई एसी की ज्यादा डिमांड है। उनका कहना है कि इस समय नए जमाने के बिजल बचाने वाले पंखे भी खूब बिक रहे हैं।

मेट्रो शहरों के मुकाबले छोटे शहरों में ज्यादा बिक्री

ई-कामर्स पोर्टल फ्लिपकार्ट के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस साल अप्रैल से ही एसी और कूलर के बिक्री के रिकार्ड टूट रहे हैं। मार्च में उन्होंने जितने एसी बेचे, उसके मुकाबले अप्रैल में दूने एसी बेच दिए। एक महत्वपूर्ण बदलाव यह देखने को मिला कि मेट्रो शहरों के मुकाबले इस समय बेंगलुरु, लखनऊ, पुणे, पटना, भागलपुर आदि शहरों में एसी ज्यादा बिक रहे हैं। फ्लिपकार्ट का कहना है कि ईस्ट जोन और साउथ जोन में इस समय ज्यादा डिमांड निकल रही है।

कूलर बाजार में भी खूब हा रही है बिक्री

दिल्ली की बात करें तो यहां नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास कमला मार्केट है। वहां दशकों से कूलर बनाने और बेचने का काम हो रहा है। वहां के कूलर व्यवसायी गौरव अग्रवाल बताते हैं कि इन दिनों सुबह से ही ग्राहक उमड़े रहते हैं। काम तो ऐसा चल रहा है कि सांस लेने की फुर्सत नहीं है। यही हाल गाजियाबाद के मालीवाड़ा इलाके का है। मालीवाड़ा में एक कूलर कारोबार बता रहे हैं कि पिछले साल एक दिन में जितने कूलर बिकते थे, इस बार उससे ज्यादा बिक रहे हैं। हालांकि वह बताते हैं कि अब कूलर से ज्यादा लोग एसी खरीदना लगे हैं।

कितने में मिल रहे हैं एसी और कूलर

गौरव बताते हैं कि कंपनी, कैपिसिटी, स्टार आदि के आधार पर एसी और कूलर के दाम तय होते हैं। यदि एयर कूलर की बात करें तो यह दो हजार रुपये से 20 रुपये तक का मिल रहा है। एसी यदि आप कम कैपिसिटी और कम स्टार वाला लेंगे तो 20 हजार रुपये में भी आ जाएगा। ऊपर तो लाख रुपये के भी एसी बिक रहे हैं। वहीं नए जमाने के पंखे दो हजार से शुरू हो कर चार हजार रुपये तक के मिल रहे हैं।

क्रेडिट कार्ड के नियमों में जून में होने जा रहा बड़ा बदलाव

देखें कहीं आप तो नहीं कर रहे इस्तेमाल, पूरी डिटेल

नई दिल्ली। एजेंसी

अगर आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं तो ये खबर आपके काम की है। मई का महीना खत्म होने जा रहा है। अगले महीने यानी जून में कई क्रेडिट कार्ड के नियमों में बदलाव होने जा रहा है। इसका सीधा असर क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने वालों पर पड़ेगा। कुछ बैंकों और कार्ड जारीकर्ताओं ने अपने क्रेडिट कार्ड से जुड़े शुल्क, फीस और नियमों में बदलाव किए हैं। क्रेडिट कार्ड धारकों को इन बदलावों की जानकारी होना जरूरी है, जिससे वह बैंक या कार्ड कंपनी के नए शुल्कों और नियमों का पालन कर सकें। जिन प्रमुख बैंकों ने इस महीने अपने क्रेडिट कार्ड नियमों में बदलाव किए हैं उनमें बैंक ऑफ बड़ौदा, यस बैंक, आईडीबीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं। आईए आपको बताते हैं कि कौन-कौन से क्रेडिट कार्ड के नियमों में बदलाव हो रहा है।

BOB कार्ड वन

बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने BOBCARD One को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड पर ब्याज दर और लेट पेमेंट फीस को बढ़ा दिया है। ये बढ़ी हुई दरें 26 जून, 2024 से प्रभावी होंगी। वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी गई है। जानकारी के मुताबिक, यूजर्स बकाया राशि का पूरा भुगतान नियम तारीख तक कर देते हैं तो उनसे कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। भुगतान में देरी पर या लिमिट से ज्यादा कार्ड के यूज पर कुछ शुल्क लगाए जाएंगे।

स्विगी एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्विगी एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड, जो एचडीएफसी बैंक के सबसे लोकप्रिय क्रेडिट कार्डों में से एक है, इसमें अब बेहतर कैशबैक दिया जा रहा है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब कई कार्ड जारीकर्ता क्रेडिट कार्ड से जुड़े लाभ और सुविधाओं को कम कर रहे हैं. जानकारी के मुताबिक, ये बदलाव 21 जून 2024 से प्रभावी होंगे। इसमें स्विगी एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड में नए कैशबैक नियम लागू होंगे। कमाया गया कैशबैक अब स्विगी ऐप में स्विगी मनी के रूप में दिखाई नहीं देगा, बल्कि 21 जून से यह क्रेडिट कार्ड खाते में दिखाई देगा और इसके चलते अगले महीने के स्टेटमेंट बैलेंस में कमी आएगी।

यस बैंक ने 'प्राइवेट' (Private) क्रेडिट कार्ड प्रकार को छोड़कर, अपने सभी क्रेडिट कार्डों के विभिन्न एस्पेक्ट्स को संशोधित किया है। ये बदलाव केवल बैंक के कुछ क्रेडिट कार्ड प्रकारों पर फ्यूल फी कैटेगरी को प्रभावित करते हैं। ये बदलाव वार्षिक और ज्वाइनिंग फीस की छूट के लिए एक्सपेंडिचर लेवल की गणना से जुड़े हुए हैं। यूटिलिटी ट्रांजेक्शन के लिए एक्स्ट्रा फी की शर्तों में भी बदलाव हुआ है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के मुताबिक, जब क्रेडिट कार्ड से यूटिलिटी बिल भुगतान की कुल राशि 20,000 रुपये से अधिक हो जाती है, तो उस पर 1 प्रतिशत ड्ढ जीएसटी अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। हालांकि, ईध्ढ्रु प्राइवेट क्रेडिट कार्ड, ध्ध्य क्लासिक क्रेडिट कार्ड और ध्ध्य सिलेक्ट क्रेडिट कार्ड पर यह यूटिलिटी शुल्क नहीं लगेगा।

ICICI और यस बैंक के खिलाफ RBI का एक्शन, क्यों लगाया 1.91 करोड़ रुपये का जुर्माना?

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने दो बड़े प्राइवेट बैंकों के खिलाफ कार्रवाई की है। इन पर 1.91 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इन बैंकों में यस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं। यह जुर्माना केंद्रीय बैंक के निर्देशों का पालन न करने और आंतरिक/कार्यालय खातों के अनधिकृत संचालन के कारण लगाया गया है। बैंकिंग नियमन अधिनियम, 1949 के तहत यह कार्रवाई की गई है। RBI ने पाया कि दोनों बैंकों ने केंद्रीय बैंक के निर्देशों का पालन नहीं किया। यह जुर्माना बैंकिंग उद्योग में अनुपालन और नियामक दिशानिर्देशों के पालन के महत्व को रेखांकित करता है।

ICICI बैंक पर कितना जुर्माना लगा?

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 21 मई, 2024 को कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए ICICI बैंक लिमिटेड पर एक करोड़ की पेनाल्टी लगाई है। RBI ने बयान में कहा, 'यह जुर्माना बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 46(4)(i) के साथ धारा 47A(1)(c) के प्रावधानों के तहत RBI में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए लगाया गया है।'

यस बैंक पर कितनी पेनाल्टी?

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 17 मई, 2024 के एक आदेश के तहत यस बैंक लिमिटेड पर 'बैंकों में ग्राहक सेवा' और 'आंतरिक/कार्यालय खातों के अनधिकृत संचालन' पर निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए 91 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने बयान में कहा, 'यह जुर्माना बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 46(4)(ग) के साथ धारा 47ए(1)(सी) के प्रावधानों के तहत आरबीआई को मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए लगाया गया है।'

दोनों बैंकों ने हाल में समस्याओं का किया सामना

आईसीआईसीआई बैंक और यस बैंक दोनों ही भारत के प्रमुख निजी क्षेत्र के बैंक हैं। लेकिन, हाल के दिनों में इन दोनों बैंकों ने कुछ चुनौतियों का सामना किया है। जहां आईसीआईसीआई बैंक गैर-निष्पादित कर्ज (एनपीए), गवर्नेंस संबंधी चिंताओं और तकनीकी खराबी का सामना करता रहा है। वहीं, यस बैंक ने वित्तीय संकट और ग्राहक पलायन की समस्याएं झेली हैं। हालांकि, दोनों बैंकों ने इन चुनौतियों से उबरने के लिए कई कदम भी उठाए हैं।

मई में 18 वर्षों में सर्वाधिक तेजी से बढ़ा रोजगार, पुरानी कारों की मांग तेजी से बढ़ी

नई दिल्ली। एजेंसी

कारोबारी गतिविधियों में मई में वृद्धि से सेवा क्षेत्र में अच्छी बढ़त दिखी है। इससे रोजगार क्षेत्र में 18 वर्षों यानी सितंबर, 2006 के बाद से निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन में सबसे तेज सुधार हुआ है। निर्यात भी रिकॉर्ड गति से बढ़ रहा है। एसएंडपी ग्लोबल के मुताबिक, मई में एचएसबीसी का इंडिया कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स यानी पीएमआई 61.7 पर पहुंच गया है। आंकड़ों के मुताबिक, लगातार 34वें महीने पीएमआई सूचकांक 50 से ऊपर रहा है। 50 से ऊपर रहने का मतलब कारोबारी गतिविधियों में तेजी और उससे नीचे का मतलब कमजोरी है। साथ ही, कारोबारी गतिविधियां चार महीने के शीर्ष पर पहुंच गई हैं। अप्रैल की अंतिम रीडिंग 61.5 से इस महीने थोड़ा बढ़कर 61.7 हो गया। इससे संकेत मिलता है कि आने वाले समय में गतिविधियों में तेजी बनी रहेगी।

तीसरी बार मजबूत रफ्तार से बढ़ा पीएमआई

एचएसबीसी के भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, मई में समग्र पीएमआई करीब 14 वर्षों में तीसरी बार सबसे मजबूत रफ्तार से बढ़ा है।

सितंबर 2014 में श्रृंखला की शुरुआत के बाद से कुल निर्यात सबसे तेज दर से बढ़ा है। यह दूसरी बार है जब निर्यात वृद्धि ने इस साल एक नई ऊंचाई तय की है। इससे आने वाले 12 महीनों के लिए कारोबारी आत्मविश्वास बढ़ा है।

चार साल में 1.09 करोड़ इकाई पुरानी कारों की बिक्री की उम्मीद

देश में पुरानी कारों की मांग तेजी से बढ़ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2028 तक पुरानी कारों की बिक्री 1.09 करोड़ यूनिट तक पहुंचने की उम्मीद है। इनका कुल मूल्य दोगुना से ज्यादा बढ़कर 73 अरब डॉलर हो जाएगा। 2022-23 तक 51 लाख यूनिट कारें बिकी हैं। आईबीबी की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-2023 में पुरानी कारों के उद्योग का मूल्य 32.44 अरब डॉलर था। रिपोर्ट में कहा गया है, व्यक्तिगत रूप से बढ़ती प्राथमिकता के अलावा, बढ़ती खर्च की क्षमता और छोटे वाहन की मांग से पुरानी कारों की बिक्री बढ़ रही है। कोविड के बाद नए जमाने के खरीदारों के बीच पुरानी कारों की मांग वैश्विक स्तर पर ऊंची बनी हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस तरह की कारों का भारतीय बाजार आगे और तेजी से बढ़ेगा, क्योंकि यह लोगों के बजट में आ रही हैं। वित्त वर्ष 2026-27 तक 80 लाख पुरानी कारों की बिक्री होने का अनुमान है।

शीर्ष आठ शहरों में जमकर बिके मकान दिल्ली-एनसीआर में सबसे ज्यादा बिक्री

मकानों की बिक्री जोर पकड़ रही है। इससे बिना बिके मकानों की संख्या में भी गिरावट आ रही है। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर में सबसे ज्यादा घर बिके हैं। सबसे कम बिना बिके मकान नोएडा और सबसे अधिक गुरुग्राम में बचे हैं। दूसरे शहरों में भी बिना बिके मकानों की संख्या में कमी आई है। एनारॉक के मुताबिक, 2018 की पहली तिमाही में दिल्ली—एनसीआर में बिना बिके मकानों की संख्या 2.04 लाख थी। 2024 की पहली तिमाही में यह 57 फीसदी घटकर 86,420 रह गई। सबसे ज्यादा 71 फीसदी कमी नोएडा में आई है। नोएडा में 2018 की पहली तिमाही में बिना बिके मकानों की संख्या 71 फीसदी तक घटी है।

ग्रेटर नोएडा में बिना बिके मकानों की संख्या 70 फीसदी घटी

पांच साल में ग्रेटर नोएडा व गाजियाबाद में बिना बिके मकानों की संख्या 70—70 फीसदी घटकर क्रमशः 18,668 और 11,011 रह गई। गुरुग्राम में 37 फीसदी घटकर 33,326 रह गई। हैदराबाद, बंगलूरू और चेन्नई में बिना बिके मकानों की संख्या 11 फीसदी घटकर 1,75,520 रह गई है। मुंबई मेट्रोपोलिटन रीजन व पुणे में इनकी संख्या 8 फीसदी घटकर 2,89,677 रह गई।

विदेशी मुद्रा भंडार लगातार तीसरे हफ्ते बढ़ा

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 मई को समाप्त सप्ताह में 4.549 अरब डॉलर बढ़कर 648.7 अरब डॉलर की नई सर्वकालिक ऊंचाई पर पहुंच गया। यह लगातार तीसरा सप्ताह है जब कुल भंडार में वृद्धि हुई है और 17 मई को समाप्त सप्ताह में यह 2.561 अरब डॉलर बढ़कर 644.151 अरब डॉलर हो गया था। पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार कई सप्ताह की वृद्धि के बाद 648.562 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

उधार के विमानों से बनी थी IndiGo आज बना रही रेकॉर्ड पर रेकॉर्ड, एक अरब डॉलर के करीब पहुंचा प्रॉफिट

नई दिल्ली। एजेंसी

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने पिछले फाइनेंशियल ईयर में करीब एक अरब डॉलर का मुनाफा कमाया। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी का नेट प्रॉफिट 8,172.5 करोड़ रुपये रहा जबकि फाइनेंशियल ईयर 2023 में कंपनी को 306 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। देश में पहली बार किसी एयरलाइन का प्रॉफिट इस लेवल पर पहुंचा है। इंडिगो की शुरुआत साल 2006 में राहुल भाटिया ने राकेश गंगवाल के साथ मिलकर की थी। आज यह देश की सबसे बड़ी एयरलाइन है। भारतीय बाजार में इसकी हिस्सेदारी करीब 60% है। इंडिगो के नाम कई उपलब्धियां हैं। यह पिछले साल जून में एक लाख करोड़ रुपये का मार्केट कैप हासिल करने वाली देश की पहली एयरलाइन बनी थी। एक साल में 10 करोड़ से ज्यादा यात्री ले जाने का रेकॉर्ड भी इसी कंपनी के पास है। इसके बेड़े में 370 विमान है और यह रोजाना करीब 2,000 फ्लाइट्स ऑपरेट करती है। कंपनी ने इस साल के अंत तक देश के सबसे व्यस्त और व्यावसायिक रूट्स पर बिजनस क्लास शुरू करने की योजना बनाई है।

भारत के एविएशन सेक्टर में कामयाबी पाना आसान काम नहीं हैं। लेकिन इंडिगो ने ऐसे समय देश के एविएशन सेक्टर में सफलता पाई जबकि कई दिग्गज कंपनियां धराशायी हो गई थीं। शराब कारोबारी विजय माल्या ने किंगफिशर एयरलाइन शुरू की थी जो 2012 में दिवालिया हो गई। सहारा ग्रुप के दिवंगत चेयरमैन सुब्रत रॉय ने भी एयरलाइन सेक्टर में कदम रखा था। उन्होंने एयर सहारा शुरू की थी। लेकिन कई साल तक नुकसान झेलने के बाद उन्होंने साल 2007 में इसे नरेश गोयल की जेट एयरवेज को बेच दिया। जेट एयरवेज ने भी 2019 में दम तोड़ दिया। स्पाइसजेट भी मुश्किलों में घिरी है जबकि गो फर्स्ट की उड़ानें फिलहाल बंद हैं। सरकारी एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया की टाटा ग्रुप में घर वापसी हो चुकी है। लेकिन इस दौरान इंडिगो ने सफलता की नई कहानी लिखी है।

कैसे हुई शुरुआत

इंडिगो की शुरुआत साल 2006 में राहुल भाटिया ने राकेश गंगवाल के साथ मिलकर की थी। राहुल भाटिया दिल्ली के रहने वाले हैं जबकि उनके दोस्त राकेश गंगवाल अमेरिका में रहते हैं। गंगवाल कई बड़ी एयरवेज कंपनियों में काम कर चुके थे और उन्हें इस सेक्टर का काफी अच्छा नॉलेज था। भाटिया ने ही गंगवाल के सामने एयरलाइन शुरू करने का प्रस्ताव रखा था। इस तरह इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन की शुरुआत 2004 में हुई। उस समय देश की एविएशन इंडस्ट्री भारी नुकसान से जूझ रही थी। इसके बावजूद दोनों ने इस सेक्टर में उतरने की ठानी। साल 2004 में ही उन्हें एयरलाइन शुरू करने का लाइसेंस भी मिल गया। लेकिन कंपनी 2006 तक अपनी सेवाए शुरू नहीं पाई क्योंकि उसके पास विमान नहीं थे।

गंगवाल ने अपनी जान-पहचान के चलते कंपनी को एयरबस से उधारी पर 100 विमान दिलाए। आखिरकार चार अगस्त 2006 से कंपनी ने अपनी उड़ान शुरू की। जब इंडिगो ने अपना सफर शुरू किया तो एविएशन इंडस्ट्री मुश्किल दौर से गुजर रही थी। कई दिग्गज एयरलाइन के बीच अपनी जगह बनाना आसान नहीं था। ऐसे में कंपनी ने सबसे पहले कंपनी ने उन लोगों को अपना कस्टमर बेस बनाया जो हवाई सफर तो करना चाहते थे लेकिन उनके पास ज्यादा पैसे नहीं थे। इससे इंडिगो के अधिक से अधिक टिकट बिके और उसे नुकसान न के बराबर हुआ।

कैसे मिली सफलता

कंपनी ने देश के प्रमुख शहरों को हवाई मार्ग से जोड़ने का काम किया और कम कीमत पर लोगों को हवाई यात्रा देने का सपना पूरा किया। इंडिगो के जरिए ही हवाई चप्पल पहने लोगों का भी प्लेन में बैठने का सपना पूरा हुआ। हवाई जहाज में घूमना एक मिडिल क्लास परिवार के लिए केवल सपना होता है। इंडिगो ने उनके इस सपने को पूरा किया। कंपनी इंडिगो में करीब 25,000 लोग काम करते हैं। दुनिया भर के 60 शहरों में इसके 126 ऑफिस हैं। पिछले साल इंडिगो ने एयरबस को 500 विमानों का ऑर्डर दिया जो एविएशन इतिहास का सबसे बड़ा ऑर्डर है। इससे पहले भी कंपनी ने 480 विमानों का ऑर्डर दिया है। इस तरह अगले दशक तक उसे कुल करीब 1000 विमान मिलेंगे।

गंगवाल और भाटिया में विवाद

साल 2020 में राकेश गंगवाल और राहुल भाटिया के बीच विवाद पैदा हो गया था। गंगवाल ने कंपनी के आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन के नियमों में बदलाव की मांग की थी। गंगवाल ने फरवरी 2022 में कंपनी के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया था। दिसंबर, 2023 के आंकड़ों के मुताबिक गंगवाल की इंडिगो में 11.42 फीसदी हिस्सेदारी थी जबकि उनके फैमिली ट्रस्ट ऊप Chinkerpoo Family Trust की 13.5% हिस्सेदारी थी। मार्च में गंगवाल ने 5.8% फीसदी हिस्सेदारी बेच दी थी। दूसरी ओर राहुल भाटिया की इंटरग्लोब एविएशन में 38 फीसदी हिस्सेदारी है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 8.97 अरब डॉलर है। इस साल उनकी नेटवर्थ 2.61 अरब डॉलर बढ़ी है।

Goldman Sachs को भी अंदाजा हो गया, तभी तो हमारा ग्रोथ अनुमान बढ़ाया

मुंबई। एजेंसी

अमेरिकी रीसर्च फर्म और ग्लोबल फाइनेंसियल इंस्टीच्यूशन Goldman Sachs ने भारतीय रिजर्व बैंक RBI के बंपर डिविडेड ट्रांसफर से उत्साहित है। तभी तो उसने भारत के निरंतर विकास गति की उम्मीद करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अपने GDP फोरकास्ट को 10 बेसिस पॉइंट बढ़ा दिया है। अब भारत का ग्रोथ अनुमान 6.7 फीसदी कर दिया गया है।

क्या कहा है गोल्डमैन सैक्स ने

गोल्डमैन सैक्स में उभरते बाजारों के आर्थिक अनुसंधान के प्रमुख एंड्रयू टिल्टन ने शांतनु सेनगुप्ता और अर्जुन वर्मा के साथ सह-लेखक ने एक नोट में कहा, 'आगे बढ़ते हुए हम उम्मीद करते हैं कि RBI द्वारा उम्मीद से ज्यादा दिए गए डिविडेंड ट्रांसफर से बुनियादी ढांचे के खर्च के लिए अतिरिक्त फिरिकल स्पेस के साथ निवेश वृद्धि की गति बनी रहेगी। परिणामस्वरूप, हमने हाल ही 2024 के लिए अपने विकास पूर्वानुमानों को 10 bps से थोड़ा बढ़ाकर 6.7 फीसदी कर दिया है।'

विकास की गति मजबूत

गोल्डमैन सैक्स ने कहा, 'भारत में विकास की गति मजबूत बनी हुई है। हमें लगता है कि महंगाई अप्रैल- में निचले स्तर पर आ जाएगी। जुलाई-दिसंबर में यह 4.0 4.5 प्रतिशत के आसपास रहेगी। एनालिस्ट्स ने एक नोट में कहा कि CY24 की दूसरी तिमाही में हेडलाइन इन्फलेशन नीचे आ सकता है और CY24 की दूसरी छमाही में यह 4 - 4.5 प्रतिशत अंक तक बढ़ सकती है।

फिच रेटिंग ने क्या कहा

वहीं, फिच रेटिंग्स ने कहा कि RBI की सरकार को रेकॉर्ड डिविडेंड देने की घोषणा GDP के 0.6 प्रतिशत के बराबर है, लेकिन इस उच्च प्रतिशत के बने रहने की संभावना बहुत कम है।

क्या RBI कर सकता है ब्याज दरों में कटौती?

Goldman Sachs को यह भी उम्मीद है कि भारतीय रिजर्व बैंक अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही में रेपो रेट में कटौती करेगा। एजेंसी ने मैन्यूफैक्चरिंग कॉस्ट में बढ़ोतरी के कारण मुख्य वस्तुओं के इन्फलेशन में बढ़ोतरी का अनुमान लगाया है। RBI मॉनेटरी पॉलिसी में ढील देने से पहले, CY24 की दूसरी छमाही में फूड इन्फलेशन का आकलन करने के लिए मॉनसून की प्रगति और खरीफ फसल की बुआई के आंकड़े देखना चाहता है।

क्या आप भी घर के मुख्य द्वार पर लगा रहें है गणेश प्रतिमा? जान लें ये नियम, वरना हो सकती है परेशानी

✍ डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

श्री गणेश सभी देवताओं में प्रथम पूजनीय माने जाते हैं। यही वजह है कि हर कार्य में सबसे पहले उनकी आराधना की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि विघ्नहर्ता गणेश जिससे भी प्रसन्न होते हैं उनके जीवन में कभी भी कोई समस्या नहीं आती। आपने अक्सर लोगों को गणपति जी की मूर्ति या तस्वीर मुख्य दरवाजों पर लगाते देखा होगा। वास्तु के अनुसार यह शुभ माना गया है, लेकिन दरवाजे पर गणेश जी की प्रतिमा लगाने के भी नियम है, जिनका सभी को पालन करना चाहिए। चलिए जानते है विस्तार से-

मुख्य द्वार पर गणेश प्रतिमा की दिशा

वास्तु में दिशा का बहुत महत्व है। ऐसे में घर के मुख्य दरवाजे पर गणपति जी की प्रतिमा लगाने की दिशा का ध्यान रखना चाहिए। इसके लिए आपके घर के मुख्य दरवाजे का मुंह उत्तर या दक्षिण दिशा में होना चाहिए। लेकिन अगर आपका मुख्य दरवाजे का मुख पूर्व या पश्चिम दिशा में है तो वहां गणेश प्रतिमा नहीं लगानी चाहिए।

कैसे लगाएं गणेश जी की प्रतिमा?

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के मुख्य द्वार पर गणेश जी की प्रतिमा लगा रहे हैं तो अंदर भी उनकी स्थापना करें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि प्रतिमा का मुख अंदर की तरफ होना चाहिए। इसके लिए पश्चिम उत्तर और पूर्वोत्तर दिशा ही सबसे बेहतर मानी गई हैं।

दरवाजे पर किस रंग के गणेश जी हो?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, परिवार की तरक्की चाहते हैं तो सिंदूरी अथवा सफेद रंग के गणेश जी विराजित करने चाहिए। ऐसा करने से परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

गणेश जी की सूंड

घर के मुख्य दरवाजे पर गणेश जी की प्रतिमा लगाने से पहले भगवान की सूंड की दिशा अवश्य देखें। इस स्थिति में गणपति बप्पा की सूंड बायीं तरफ मुड़ी होनी चाहिए। दाईं तरफ मुड़ने वाली सूंड घर के अंदर शुभ है, लेकिन घर के मुख्य दरवाजे पर बायीं तरफ सूंड ही शुभ रहती है।

गणेश जी की मुद्रा

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के मुख्य दरवाजे पर गणेश जी की प्रतिमा बैठी हुई मुद्रा में होनी चाहिए। घर के दरवाजे के बाहर खड़ी हुई मुद्रा वाली गणेश प्रतिमा लगाना शुभ फल नहीं देता हैं। हालांकि आप खड़ी हुई मुद्रा में गणेश प्रतिमा अपने ऑफिस या अपने कार्यस्थल के लिए रख सकते हैं।

9 ग्रहों की पूजन करते समय इन नियमों का रखें ध्यान, जानें कितनी परिक्रमा करने से मिलेंगे शुभ फल

✍ पं. श्री रमेशचंद व्यास
(चैनपुरा वाले)
ज्योतिषयाचार्य एवं रत्न विशेषज्ञ
मो. 9826345104

हिंदू धर्म में हर देवी देवता के पूजन का विशेष महत्व बताया गया है। इसी के साथ कुछ जरूरी नियम भी हैं जिनका पालन करने की सलाह दी जाती है। देवी देवताओं के पूजन के दौरान उनकी परिक्रमा करने का नियम भी अनादिकाल से चला आ रहा है। देवी देवताओं के साथ सुख समृद्धि की प्राप्ति के लिए नौ ग्रहों की पूजन का भी विधान है। हम पूजन पाठ तो कर लेते हैं लेकिन कई बार हमें नियमों की जानकारी नहीं होती। परिक्रमा के संबंध में जानकारी न होने की वजह से हमारे किए गए सारे कामों पर पानी फिर सकता है। ज्योतिष में नवग्रह की परिक्रमा करना शुभ माना गया है। ऐसे में अगर नियमों के साथ परिक्रमा की जाती है तो व्यक्ति के जीवन पर गहरा असर होता है। उसके जीवन में सुख शांति बनी रहती है और सब कुछ सकारात्मक होता है। चलिए आज हम आपको ग्रहों की परिक्रमा करने के तरीके की जानकारी देते हैं।

सूर्य

सूर्य देवता ग्रहों के राजा कहलाते हैं और उनकी पूजन हमेशा ब्रह्म मुहूर्त में जल अर्पित कर की जाती है। सूर्य देव की पूजन करने के पश्चात 11 बार परिक्रमा करना शुभ होता है। ऐसा करने से व्यक्ति को जीवन में बहुत से लाभ प्राप्त होते हैं।

चंद्रमा

चंद्रमा की पूजन अर्चन कर परिक्रमा पांच बार की जाती है। जो व्यक्ति उपाय अपना लेता है उसे चंद्र देव की कृपा की प्राप्ति होती है और कुंडली से चंद्र दोष भी दूर हो जाता है। जीवन में जो भी परेशानी चल रही है। वो इस उपाय से दूर हो जाती है।

मंगल

अगर कुंडली में मंगल की स्थिति कमजोर है तो विधि विधान से पूजन करने के बाद 12 बार परिक्रमा करनी चाहिए। ऐसा करने से मंगल ग्रह की स्थिति सुधर जाती है और मंगल दोष भी समाप्त होता है। मंगल के स्थिति सुधारने पर व्यक्ति को अच्छे परिणाम मिलना शुरू हो जाते हैं।

बुध

बुध को व्यापार और बुद्धि का प्रतीक माना गया है। अगर किसी तरह की परेशानी आ रही है तो विधि विधान से पूजन अर्चन करने के बाद 6 बार बुध की परिक्रमा करनी चाहिए। ऐसा करने से व्यापार में लाभ मिलने लगता है और जीवन की परेशानियों का अंत हो जाता है।

गुरु

अगर आपका कोई काम बार-बार रुक रहा है और मेहनत करने के बाद भी अच्छे परिणाम नहीं मिल रहे हैं, तो ब्रहस्पति की पूजा करना शुभ है। पूजन के पश्चात चार बार परिक्रमा करना अच्छा माना जाता है। इससे व्यक्ति को सभी प्रकार की बाधाओं से मुक्ति मिल जाती है।

शुक्र

शुक्र सुख, समृद्धि ऐश्वर्य और धन दौलत का प्रतीक है। जिन लोगों की कुंडली में सूर्य ग्रह बलवान होता है। वह हमेशा सुख सुविधाओं से भरपूर जीवन गुजारते हैं। शुक्र की तीन बार परिक्रमा करना शुभ होता है इससे सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है।

राहु केतु

अगर आप राहु ग्रह के प्रभाव से पीड़ित है तो आपको कई तरह की समस्या हो सकते हैं। मौसम में राहु को प्रसन्न करने के लिए चार बार परिक्रमा करें इससे दोष से मुक्ति मिल जाएगी। अगर केतु के प्रभाव से प्रभावित है तो धन और घरेलू समस्या आ सकती है। ऐसे में केतु के दो बार परिक्रमा करें जिससे भाग्य और सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी।

शनि

शनि कर्मों का फल देने वाला ग्रह है। अगर शनि देव को प्रसन्न करना चाहते हैं तो दो बार परिक्रमा करना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से धन, भाग्य और घरेलू सुख की प्राप्ति होती है।

नौकरी में दिन दोगुनी रात चौगुनी तरक्की दिलाएंगे ये 5 ज्योतिष उपाय

✍ डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

हर व्यक्ति अपने जीवन में तरक्की और समृद्धि चाहता है। इसे पाने के लिए वह काफी मेहनत भी करता है। व्यक्ति व्यापार करने वाला हो या फिर नौकरी करने वाला वह सफलता प्राप्त करने के लिए हर संभव कोशिश करता है। लेकिन जीवन में कई मौके ऐसे भी आते हैं जब मेहनत के अनुरूप परिणाम नहीं मिल पाते हैं। अगर आप अपने जीवन में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। जब आपको मेहनत के मुताबिक फल की प्राप्ति नहीं हो रही है, तो ज्योतिष इसमें आपके लिए मददगार साबित हो सकता है। जी हां, ज्योतिष में कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं जो नौकरी से जुड़ी सारी समस्याओं को दूर कर सकते हैं। चलिए इस बारे में जानते हैं।

शनि बनाएं मजबूत

शनि ग्रह व्यक्ति को कर्मों के मुताबिक फल देता है। अगर कुंडली में शनि की स्थिति कमजोर रहती है तो व्यक्ति को कार्य क्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शनि को मजबूत बनाने के लिए शनिवार का व्रत करने के साथ-साथ काले तिल और सरसों के तेल का दान करना चाहिए।

नवग्रह हवन

अगर आप अपने जीवन में खुशहाली और तरक्की चाहते हैं तो आपको नवग्रह शांति के लिए घर में हवन करवाना चाहिए। ऐसा करने से ग्रहों की स्थिति शुभ हो जाती है और व्यक्ति को शुभ परिणाम की प्राप्ति होती है।

रखें ये चीजें

कई बार हमारे आसपास मौजूद चीज हमें जीवन में तरक्की दिलाने का काम करती है। फव्वारा, एक्वेरियम, रंग बिरंगी मछलियां यह ऐसी चीज हैं, जो पॉजिटिविटी लेकर आती है। इसके अलावा दीवार पर लगाया गया नीले या काले रंग का चित्र भी शुभ माना जाता है।

सूर्य आराधना

अगर आप अपने जीवन में शुभ परिणाम चाहते हैं तो सूर्य की आराधना करना शुभ होता है। सूर्य को जल चढ़ाने से व्यक्ति को करियर में सफलता मिलती है। सूर्योदय के समय सूर्य देवता को जल अर्पित करना सबसे शुभ होता है।

भोलेनाथ को तिल

अगर आप अपने करियर में तरक्की पहना चाहते हैं या फिर नौकरी में आपको किसी तरह की बड़ा का सामना करना पड़ रहा है। तो सोमवार और शनिवार के दिन जल में काले तिल मिलाकर भोलेनाथ को अर्पित करें। इस दौरान ओम नमः शिवाय का जाप भी करें। ऐसा करने से भोलेनाथ प्रसन्न होंगे और आपकी सारी समस्या दूर होगी।

आज ही अपना लें ये 4 आदतें, दूर होगी कंगाली, बन जाएंगे रईस

✍ पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

हम अपने आसपास ऐसे कई लोगों को देखते हैं। जो पैसा कमाने के लिए मेहनत तो बहुत करते हैं लेकिन इसके बावजूद भी धन उनके पास नहीं टिकता है। उनके सामने कोई ना कोई ऐसा खर्च आ जाता है जिसमें उन्हें अपना कमाया हुआ धन लगाना पड़ता है। अगर आप भी उन्हीं लोगों में है जिनके पास पैसा नहीं टिक पाता है तो कुछ आदतों के जरिए आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। ज्योतिष एक ऐसी विद्या है जिसमें व्यक्ति के जीवन से जुड़े सारे पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। इसी में दैनिक दिनचर्या से जुड़ी कुछ आदतों का जिक्र किया गया है जो हमारे जीवन में नकारात्मकता लेकर आती है। अगर यह आदतों को छोड़ दिया जाए तो माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और सारे दोष दूर हो जाते हैं। चलिए आज हम आपको इस बारे में बताते हैं।

सोने का समय

कुछ लोगों को बहुत देर तक सोने की आदत होती है। दरअसल आजकल लोग देर रात तक जागते हैं जिस वजह से सुबह उनकी नींद काफी देर से खुलती है। सेहत के लिए यह काफी नुकसानदायक होता है और ज्योतिष में भी इसे नकारात्मक माना गया है। अगर व्यक्ति ब्रह्म मुहूर्त में उठ जाता है तो देवी देवता उसे पर प्रसन्न होते हैं। यही वजह है कि हर व्यक्ति को सुबह जल्दी उठना चाहिए।

झूठे बर्तन

कुछ लोग रात में खाना खाने के बाद बर्तन झूठ छोड़ देते हैं और उन्हें सुबह साफ करते हैं। व्यक्ति की आदत घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। सिंक में पड़े झूठे बर्तन देख मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं जिससे घर में कंगाली आती है। अगर आप बरकत चाहते हैं और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं तो रात में झूठे बर्तन ना छोड़े।

घर की सफाई

हम सभी ने सुना है कि जहां साफ सफाई होती है वहां माता लक्ष्मी का वास होता है। वहीं जहां पर गंदगी होती है वहां देवी लक्ष्मी नहीं आती है। यही कारण है कि व्यक्ति को घर के किसी भी कोने में गंदगी नहीं रखना चाहिए। अगर गंदगी रहती है तो परिवार के लोगों की सेहत खराब होती है और माता लक्ष्मी का प्रसन्न होती हैं।

व्यक्तिगत स्वच्छता

घर की सफाई के साथ-साथ हर व्यक्ति को अपनी व्यक्तिगत सफाई का भी ध्यान रखना चाहिए। जिन लोगों के दांत, नाखून और बाल साफ और स्वच्छ रहते हैं उन्हें कभी धन की कमी नहीं होती। ऐसे लोगों के पास हमेशा बरकत बनी रहती है।

दालों में आत्मनिर्भरता के दावों के बीच चना का घटता उत्पादन

बढ़ती कीमतें और आयात का सहारा

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने दालों के मामले में 2027 तक आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य रखा है, लेकिन उत्पादन में गिरावट के चलते इस लक्ष्य को हासिल कर पाना मुश्किल दिख रहा है। उत्पादन के अनुमानों में बदलाव और मार्केट अनुमानों के बीच चना की कीमतें भी बढ़ रही हैं। इसका बफर स्टॉक भी कम रह गया है। दालों के दाम पहले ही बढ़ रहे हैं और चना का रुख देखते हुए उपभोक्ताओं को आगे इनकी और अधिक कीमत चुकाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

सरकार ने दालों के मामले में 2027 तक आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य रखा है, लेकिन उत्पादन में गिरावट के चलते इस लक्ष्य को हासिल कर पाना मुश्किल दिख रहा है। उत्पादन के अनुमानों में बदलाव और मार्केट अनुमानों के बीच चना की कीमतें भी बढ़ रही हैं। इसका बफर स्टॉक भी कम रह गया है। दालों के दाम पहले ही बढ़ रहे हैं और चना का रुख देखते हुए उपभोक्ताओं को आगे इनकी और अधिक कीमत चुकाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

चना की कीमतें कितनी ऊपर जाएंगी यह वैश्विक बाजार की कीमत से ही तय होगा। इस समय आस्ट्रेलिया से चना का आयात मूल्य करीब 7200 रुपये प्रति क्विंटल पड़ रह है। वहीं अप्रैल, 2024 के महंगाई के आंकड़ों के मुताबिक दालों की महंगाई दर 16.84 फीसदी रही है और उपभोक्ता मामले विभाग के अनुसार 23 मई को चना दाल की कीमत 85 रुपये प्रति किलो रही। एक साल पहले यह 70 रुपये प्रति किलो थी।

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी और सरकारी खरीद जैसे उठाये गये कदमों से दालों का उत्पादन 2015-16 के 163.2 लाख टन से बढ़कर 2021-22 में 273 लाख टन तक पहुंच गया था, उसमें भी चना उत्पादन अधिक बढ़ा। वहीं दो साल की सरकारी खरीद में चना का बफर स्टॉक पिछले साल 30 लाख टन को पार कर गया। लेकिन सूत्रों के मुताबिक अभी यह पांच लाख टन से भी कम है। ऐसे में 7000 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच चुकी चना की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने इसके आयात पर शुल्क खत्म कर दिया है। चालू रबी मार्केटिंग सीजन (2024-25) के लिए चना का एमएसपी 5440 रुपये प्रति क्विंटल है। पिछले साल यह 5335 रुपये प्रति क्विंटल था।

सरकारी एजेंसियों की खरीद के चलते 2023 में सरकार के पास 30 लाख टन से अधिक चना का बफर स्टॉक था। पिछले साल सरकार ने 23.55 लाख टन की खरीद की थी और 14.37 लाख टन का उससे पहले के साल का बकाया स्टॉक था। लेकिन पिछले करीब एक साल में सरकार ने दालों की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए इसका बड़े पैमाने पर उपयोग किया। सरकार ने ऐसा बेहतर उत्पादन की उम्मीद में किया, लेकिन वास्तव में उत्पादन घट गया। पिछले साल सरकार ने 135 लाख टन चना उत्पादन का अनुमान जताया था, जिसे बाद में घटाकर 122 लाख टन कर दिया गया। इस साल भी 121.6 लाख टन के अनुमान के मुकाबले मार्केट का मानना है कि उत्पादन करीब 100 लाख टन के आसपास है। इसी का असर कीमतों पर पड़ा है।

फरवरी में सरकार ने कहा था कि वह किसानों के साथ दाल खरीदने का लान्ग टर्म कांट्रैक्ट करेगी और एमएसपी के अलावा बाजार कीमतों पर भी दालों की खरीद करेगी। लेकिन इस दावे के बीच सरकार नेफेड के जरिये इस साल केवल 45 हजार टन चना ही एमएसपी पर खरीद सकी। हालांकि ट्रेड ने चना की खरीदारी अधिक की है। इस समय मंडी स्तर पर चना का भाव करीब 6500 रुपये प्रति क्विंटल है जबकि मार्केट में यह 7000 रुपये प्रति क्विंटल पर है।

चना की आपूर्ति बेहतर करने के लिए इस पर 60 फीसदी आयात शुल्क समाप्त कर दिया गया है। इस आयात शुल्क पर सरचार्ज भी लगता था जिसके चलते प्रभावी शुल्क 66 फीसदी था। भारत में महंगे आयात शुल्क के चलते आस्ट्रेलिया से अधिकांश निर्यात बांग्लादेश, पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को होता था। अब भारत ने आयात शुल्क समाप्त कर दिया है तो कुछ कारोबारियों ने ऑप्शन के सौदों को भारत में निर्यात करने का फैसला लिया है क्योंकि यहां बाजार बड़ा है।

उद्योग सूत्रों के मुताबिक आस्ट्रेलिया से अभी करीब एक लाख टन चना आयात हुआ है। वहां से भारत में चना की आयात कीमत 840-850 डॉलर प्रति टन (सीआईएफ) के आसपास है जो करीब 7200 रुपये प्रति क्विंटल बैठती है। आस्ट्रेलिया से जो आयात हो रहा है वह पिछले साल की फसल का है। चना की अगली फसल तंजानिया में अगस्त में आएगी। वहीं आस्ट्रेलिया की अगली फसल अक्तूबर में आएगी।

भारत से आयात की मांग निकलने का सीधा मतलब वैश्विक बाजार में कीमतों में इजाफा होना है। इसलिए 16.84 फीसदी को पार चुकी दालों की महंगाई को लेकर सरकार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं और उपभोक्ताओं को इसकी अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। अधिकांश दालों की कीमतें पहले ही बढ़ रही हैं। साल 2027 तक दालों में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य हासिल करने की नीति हकीकत से कितनी अलग है, उसका अंदाजा चना की स्थिति से आसानी से लगाया जा सकता है।

भारत के साथ व्यापार करने वाले टॉप 10 देश कौन, कारोबारी रिश्तों में किसे कितना फायदा?

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत का व्यापार दुनिया के तमाम देशों के साथ होता है। 2022-23 में भारत ने 318.2 अरब डॉलर मूल्य का सामान निर्यात किया। वहीं, 462.9 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का आयात किया। भारत को वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान टॉप 10 ट्रेडिंग पार्टनर्स में नौ के साथ व्यापार घाटे का सामना करना पड़ा है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। व्यापार घाटा आयात और निर्यात के बीच का अंतर है। जब किसी देश का आयात उसके निर्यात से ज्यादा होता है तो वह व्यापार घाटा कहलाता है। आइए, यहां भारत के साथ व्यापार करने वाले टॉप 10 मुल्कों के बारे में जानते हैं।

भारत के साथ व्यापार करने वाले टॉप 10 देश कौन

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारत के साथ व्यापार करने वाले टॉप देशों में चीन, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, रूस, दक्षिण कोरिया, हांगकांग, सिंगापुर, इंडोनेशिया और इराक शामिल हैं। भारत को वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान चीन, रूस, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया समेत टॉप 10 व्यापारिक साझेदारों में नौ के साथ व्यापार घाटे का सामना करना पड़ा है। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि बीते वित्त वर्ष में 2022-23 की तुलना में चीन, रूस, दक्षिण कोरिया और हांगकांग के साथ घाटा बढ़ गया। दूसरी ओर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, रूस, इंडोनेशिया और इराक के साथ व्यापार घाटे में कमी हुई।

चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 85 अरब डॉलर

वित्त वर्ष 2023-24 में चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 85 अरब डॉलर, रूस के साथ 57.2 अरब डॉलर, दक्षिण कोरिया के साथ 14.71 अरब डॉलर और हांगकांग के साथ 12.2 अरब डॉलर हो गया। चीन के साथ दोतरफा व्यापार 2023-24 में 118.4 अरब डॉलर रहा। वह अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2023-24 में 118.28 अरब डॉलर रहा। भारत का अपने चार प्रमुख व्यापारिक साझेदारों - सिंगापुर, यूएई, दक्षिण कोरिया और इंडोनेशिया (एशियाई गुट के हिस्से के रूप में) के साथ मुक्त व्यापार समझौता है। भारत का 2023-24 में अमेरिका के साथ 36.74 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष था।

लैब में तैयार हो रहे हीरे की कीमतें गिरीं, लोग इस वजह से चुका रहे ज्यादा दाम

मुंबई। एजेंसी

सिंथेटिक डायमंड या यों कहें कि Lab Grown Diamond (LGD) की कीमतें लगातार नीचे आ रही हैं। लेकिन इसके बाद भी ग्राहक ज्यादा कीमतें चुका रहे हैं। ग्लोबल मार्केट्स में ओवरप्रोडक्शन के कारण FY24 में इंडियन लैब ग्रोन डायमंड की कीमतों में 45 फीसदी की गिरावट आई है। लेकिन ज्यादा कीमत बाजार में वसूली जा रही है। उन्मेदमल त्रिलोकचंद झवेरी के प्रमुख कुमार जैन के मुताबिक, गोल्ड महंगा होने से लोगों का एलजीबी की ओर थोड़ा आकर्षण बढ़ा है। लोगों को लग रहा है कि उन्हें अच्छी डील मिल रही है। लेकिन ऐसा नहीं है। सिंथेटिक डायमंड की ट्रेड 99 पर्सेंट के लो पर हो रही है। इसकी कीमतों का कोई फिक्स पैमाना नहीं है। इसकी वजह से बड़े जूलरी कारोबारी अभी इससे दूर हैं।

बिक्री में हुआ इजाफा

एक्सपर्ट्स का कहना है कि नेचुरल डायमंड की तुलना में एलजीडी बहुत सस्ते होते हैं। यह वैसे ही दिखते भी हैं। अमेरिका जैसे बाजारों में इनकी ज्यादा बिक्री होती है। भारत में सरकारी प्रोत्साहन के चलते सेल्स जोर पकड़ रही है। हालांकि कुछ इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि कुछ जूलर्स इसलिए भी लैब ग्रोन को पुश कर रहे हैं, जिससे बड़ा प्रॉफिट मार्जिन पाया जा सके।इस वजह से गिर रहे भाव

Maitri Lab Grown डायमंड के डायरेक्टर शाजिल शाह के मुताबिक, एलजीडी की कीमतों में गिरावट की एक वजह यह भी है कि प्रोडक्शन के लिए अचानक बहुत सारे लोग मैदान में आ गए हैं। अब सिंथेटिक डायमंड की कीमतों में गिरावट से मैन्युफैक्चरर्स को नुकसान हो रहा है। नेचुरल डायमंड में अग्रणी रिटेलर ईंज्जे उाडे के सीईओ सिद्धार्थ सचेती के मुताबिक, लैब ग्रोन जब शुरू हुआ था, तब नेचुरल डायमंड से यह 65-70 पर्सेंट तक सस्ता मिल जाता था। लेकिन बाद में जब हर कोई लैब में झटपट डायमंड बनाने लगा तो इसकी ओवरसप्लाई होने लगी। हाल यह है कि रेपापोर्ट प्राइस के मुताबिक, नेचुरल डायमंड से 60-70 पर्सेंट के डिस्काउंट पर मिलने वाला एलजीडी 99.9 पर्सेंट डिस्काउंट पर मिल रहा है। रेपापोर्ट प्राइस में एलजीडी की प्राइस को नेचुरल डायमंड के मुताबिक तय किया जाता है।

कैंब्रिज ने भारत में मार्च 2024 के परीक्षा परिणामों की घोषणा की

नई दिल्ली। एजेंसी

कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड एसेसमेंट (Cambridge) में इंटरनेशनल एजुकेशन ग्रुप ने भारत में अपने मार्च 2024 के परीक्षा परिणामों की घोषणा कर दी है। देश में 400 स्कूलों से 15,000 से ज्यादा विद्यार्थियों को कैंब्रिज आईजीसीएसई और इंटरनेशनल एएस एवं ए लेवल परिणाम प्राप्त हो चुके हैं। यह भारत में कैंब्रिज द्वारा आयोजित अब तक की सबसे बड़ी मार्च की परीक्षाएं थीं।

इस साल मार्च की परीक्षाओं के लिए 76,000 से ज्यादा प्रविष्टियाँ आई थीं, जो पिछले साल के मुकाबले 17 प्रतिशत ज्यादा थीं। कैंब्रिज आईजीसीएसई के लिए 56,000 से ज्यादा प्रविष्टियाँ मिली थीं, जो पिछले साल के मुकाबले 17 प्रतिशत ज्यादा थीं। कैंब्रिज इंटरनेशनल एएस एवं ए लेवल के लिए 18,400 से ज्यादा प्रविष्टियाँ मिली थीं, जो पिछले साल के मुकाबले 18 प्रतिशत ज्यादा थीं। कैंब्रिज आईजीसीएसई और इंटरनेशनल एएस एवं ए लेवल के लिए सबसे लोकप्रिय विषय मैथमैटिक्स, फिज़िक्स, और कैमिस्ट्री रहे, जिससे भारत में विद्यार्थियों के बीच स्टेम विषयों की लगातार लोकप्रियता प्रदर्शित होती है।

इकॉनॉमिक्स सबसे तेजी से बढ़ने वाले कैंब्रिज आईजीसीएसई विषयों में से एक था, जिसके लिए प्रविष्टियाँ पिछले साल के मुकाबले 30 प्रतिशत बढ़ीं।

कैंब्रिज इंटरनेशनल एएस लेवल में इंग्लिश जनरल पेपर की प्रविष्टियों में सबसे ज्यादा वृद्धि हुई, जो पिछले साल के मुकाबले 43 प्रतिशत ज्यादा रहीं। इससे पाठ्यक्रम में कम्युनिकेशन स्किल्स का बढ़ता महत्व प्रदर्शित होता है। इंग्लिश जनरल पेपर विद्यार्थियों को भविष्य के लिए आवश्यक मुख्य कौशल का विकास करने में मदद करता है, जैसे वो विचारों का विश्लेषण करने, तर्क स्थापित करने और अपने विचार स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करने में समर्थ बनते हैं।

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

क्या गलत हाथों में जा रहे हैं भारतीय हथियार?

रक्षा मंत्रालय ने तेज की वेपन एक्सपोर्ट की निगरानी

नई दिल्ली। एजेंसी

रक्षा मंत्रालय भारत में बनने वाले हथियारों की निगरानी को सख्त कर रहा है। साथ ही, कुछ रिपोर्ट्स में हथियार गलत लोगों के हाथों में जाने की बात सामने आई है, जिसके बाद रक्षा मंत्रालय ने एक्सपोर्ट (निर्यात) के लिए 'एंड-यूज़र सर्टिफिकेशन' के नियमों का सख्ती से पालन करने के लिए रक्षा उद्योग को कहा है। पिछले कुछ सालों में, भारत के रक्षा क्षेत्र में सेना के इस्तेमाल और निर्यात ऑर्डर दोनों के लिए हथियारों के उत्पादन में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। यूक्रेन-रूस संकट के कारण दुनियाभर में हथियार बनाने का काम बढ़ रहा है और कई रिपोर्ट्स आई हैं कि हथियार मूल देश की अनुमति के बिना संघर्ष करने वाले किसी भी देश के हाथों में पहुंच रहे हैं।

आयात के पैटर्न पर नजर रखेगा रक्षा मंत्रालय

रक्षा मंत्रालय अब एक ऐसा इंटरनल पोर्टल स्थापित करना चाहता है, जो रक्षा क्षेत्र की कंपनियों द्वारा किए जा रहे आयात के पैटर्न पर नजर रखेगा, खासकर विस्फोटकों और प्राइमरों (छोटे विस्फोटक) के मामले में। एक सीनियर रक्षा मंत्रालय के अधिकारी ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से कहा, 'हम एक आंतरिक पोर्टल बनाना चाहते हैं ताकि आयात की निगरानी भी की जा सके क्योंकि ये गलत हाथों में नहीं जाने चाहिए। कुछ ऐसी घटनाओं की रिपोर्ट आई हैं, जहां हथियार गलत लोगों के पास पहुंचे हैं।' हालांकि उन्होंने इन रिपोर्ट्स के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। भारत में रक्षा उत्पादन का मूल्य वित्तीय वर्ष 2022-23 में 1,08,684 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें निजी कंपनियों की हिस्सेदारी 21,083 करोड़ रुपये है और बाकी सरकारी कंपनियों से आता है। रक्षा उत्पादों का निर्यात भी बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 21,083 करोड़ रुपये हो गया है, जिसमें निजी कंपनियों का बहुत बड़ा योगदान है।

सरकार हथियारों के निर्यात को बढ़ावा दे रही है

हालांकि सरकार हथियारों के निर्यात को बढ़ावा दे रही है, लेकिन कुछ देशों को हथियार बेचने पर सख्त नियम और कायदे लागू होते हैं। अधिकारियों ने रक्षा उद्योग को सतर्क रहने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि जो देश घातक हथियार खरीद रहा है, वो ये लिखकर दे कि वो हथियार किसी और देश को नहीं बेचेगा। उन्होंने कहा, 'विशेष रूप से मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के कारण, आपको (उद्योग को) अंतिम उपयोगकर्ताओं की पूरी श्रृंखला की जानकारी जुटानी होगी और उस देश की सरकार को यह बताना होगा कि वे इसे किसी अन्य देश को नहीं भेजेंगे।' उदाहरण के लिए, फिलहाल भारतीय कंपनियों को यूक्रेन को हथियार निर्यात करने की अनुमति नहीं है, जबकि पश्चिमी प्रतिबंधों के डर से ज्यादातर कंपनियां सीधे रूस के साथ व्यापार करने से बचती हैं। तुर्की, चीन और पाकिस्तान सहित अन्य देशों को भी हथियार निर्यात करने पर रोक है।

PRAVAAH क्या है जिसे RBI ने लॉन्च किया, आपको फायदा कैसे?

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को खुदरा निवेशकों और अन्य के लिए बड़ी राहत देते हुए कई महत्वपूर्ण पहलों की शुरुआत की। इनका उद्देश्य वित्तीय प्रणाली में भागीदारी को आसान बनाना और विभिन्न नियामकीय मंजूरियों के लिए आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाना है। इसके तहत एक तरफ जहां केंद्रीय बैंक ने सरकारी प्रतिभूति बाजार में खुदरा निवेशकों की भागदारी के लिए मोबाइल ऐप पेश किया। वहीं दूसरी तरफ सरल तरीके से ऑनलाइन आवेदन को लेकर 'प्रवाह' पोर्टल शुरू किया गया। मोबाइल ऐप के जरिये खुदरा निवेशक अब अपने स्मार्टफोन पर मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करके सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद-बिक्री कर सकते हैं। इसके अलावा किसी भी व्यक्ति या इकाई को लिए विभिन्न नियामकीय मंजूरियों की खातिर सरल तरीके से ऑनलाइन आवेदन करने को लेकर प्रवाह पोर्टल शुरू किया गया है।

केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा कि यह पोर्टल रिजर्व बैंक की तरफ से नियामकीय मंजूरी देने से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं को सुगम बनाएगा। इसके अलावा आरबीआई ने 'फिनटेक रिपॉजिटरी' पहल की है। गवर्नर शक्तिकांत दास की ओर से शुरू की गई इस तीसरी पहल का मकसद नियामकीय दृष्टिकोण से क्षेत्र की बेहतर समझ के लिए भारतीय वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियों के आंकड़ों का भंडारण करना और उचित नीति दृष्टिकोण तैयार करने में सुविधा प्रदान करना है।

क्या है प्रवाह?

'प्रवाह' (नियामकीय आवेदन, सत्यापन और मंजूरी के लिए मंच) पोर्टल सुरक्षित और केंद्रीकृत वेब-आधारित प्लेटफॉर्म है। यह किसी भी व्यक्ति या इकाई के लिए रिजर्व बैंक से जुड़े मामलों में मंजूरी, लाइसेंस या नियामकीय अनुमोदन प्राप्त करने का मंच है। आरबीआई ने बयान में पोर्टल की विशेषताओं को साझा करते हुए कहा कि विभिन्न नियामक और निगरानी विभागों से जुड़े 60 आवेदन पत्र ऑनलाइन जमा किए जा सकते हैं। संबंधित इकाई पोर्टल पर आवेदन की स्थिति को देख सकती है। साथ ही आरबीआई किसी आवेदन से संबंधित निर्णय समयबद्ध तरीके से भेज सकता है। इसमें कहा गया है कि जरूरत पड़ने पर और आवेदन पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे।

रिटेल डायरेक्ट मोबाइल ऐप क्या है?

सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद-बिक्री से जुड़े 'रिटेल डायरेक्ट' मोबाइल ऐप के संबंध में बयान में कहा गया है कि इसके जरिये खुदरा निवेशक अब अपने स्मार्टफोन पर मोबाइल ऐप का उपयोग करके सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद-बिक्री कर सकते हैं। मोबाइल ऐप को एंड्रॉयड यूजरों के लिए 'प्ले स्टोर' और आईओएस उपयोगकर्ताओं के लिए 'ऐप स्टोर' से डाउनलोड किया जा सकता है। वर्तमान में, 'रिटेल डायरेक्ट' पोर्टल खुदरा निवेशकों को भारतीय रिजर्व बैंक के साथ खुदरा प्रत्यक्ष सरकारी प्रतिभूति खाते खोलने की सुविधा प्रदान करता है। खुदरा प्रत्यक्ष योजना के तहत यह सुविधा दी गई है। पोर्टल नवंबर, 2021 में शुरू किया गया था। यह खुदरा निवेशकों को प्राथमिक नीलामी में सरकारी प्रतिभूतियां खरीदने के साथ-साथ सेकेंडरी मार्केट में उसे खरीदने और बेचने की सुविधा देता है।

फिनटेक रिपॉजिटरी का लक्ष्य

बयान के अनुसार, फिनटेक रिपॉजिटरी का लक्ष्य नियामकीय दृष्टिकोण और उपयुक्त नीतिगत रुख बनाने के मकसद से वित्तीय प्रौद्योगिकी इकाइयों, उनकी गतिविधियों, प्रौद्योगिकी उपयोग इत्यादि के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त करना है। नियमन के दायरे में आने और उससे बाहर रहने वाली दोनों तरह की वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों को रिपॉजिटरी में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसके साथ ही, 'एमटेक रिपॉजिटरी' भी जारी किया गया है। यह केवल आरबीआई के दायरे में आने वाली इकाइयों (बैंकों और एनबीएफसी) के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों (कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग, क्लाउड कंप्यूटिंग आदि) को अपनाने के लिए एक संबंधित रिपॉजिटरी है। फिनटेक और एमटेक रिपॉजिटरी सुरक्षित वेब-आधारित एप्लिकेशन हैं और इन्हें आरबीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिजर्व बैंक इनोवेशन हब (आरबीआईएच) प्रबंधित करती है।

HDFC Bank ने लिया बड़ा फैसला

अब इतने रुपये से ज्यादा के ट्रांजैक्शन पर नहीं आएगा SMS

नई दिल्ली। एजेंसी

एचडीएफसी बैंक 25 जून 2024 के बाद से ग्राहकों को 100 रुपये से कम के यूपीआई ट्रांजैक्शन (UPI Transaction) पर मैसेज अलर्ट नहीं भेजेगा। वहीं ग्राहकों को 500 रुपये तक के अमाउंट क्रेडिट होने पर भी मैसेज नहीं आएगा। लेकिन बैंक ग्राहकों को हर ट्रांजैक्शन पर ई-मेल अलर्ट भेजेगा। बैंक ने कस्टमर से कहा है कि वह जल्द से जल्द ई-मेल आईडी अपडेट करें।

देश का सबसे बड़ा बैंक एचडीएफसी बैंक (HDFC Bank) है। बैंक अपने ग्राहक को हर छोटे-मोटे लेनदेन होने पर मैसेज अलर्ट भेजता है। लेकिन, बैंक ने अब SMS Alert को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। बैंक ने अपने ग्राहकों को बताया कि 25 जून 2024 के बाद से ग्राहकों को 100 रुपये से कम के यूपीआई ट्रांजैक्शन (UPI Transaction) पर मैसेज अलर्ट नहीं आएगा। वहीं 500 रुपये तक के अमाउंट क्रेडिट होने पर भी मैसेज अलर्ट नहीं भेजा जाएगा।

बैंक ने ग्राहकों को बताया कि भले ही एसएमएस अलर्ट नहीं आएगा। लेकिन, ग्राहकों हर ट्रांजैक्शन पर ई-मेल अलर्ट मिलेगा। सभी ग्राहकों को सुचारू रूप से ई-मेल अलर्ट मिले इसके लिए बैंक ने ई-मेल आईडी अपडेट करने के लिए कहा है। भारत में डिजिटल माध्यमों से भुगतान नई ऊंचाई पर पहुंच रहा है, क्योंकि इसके नागरिक तेजी से इंटरनेट पर लेनदेन के उभरते तरीकों को अपना रहे हैं। यहां तक कि भारत में रिटेल डिजिटल पेमेंट के लिए यूपीआई पेमेंट सिस्टम बेहद लोकप्रिय हो गई है और इसका चलन तेजी से बढ़ रहा है।

भारत में डिजिटल भुगतान में यूपीआई (UPI) की हिस्सेदारी 2023 में 80 प्रतिशत के करीब पहुंच गई है। वर्ष 2022 आंकड़ों के अनुसार आज दुनिया के लगभग 46 प्रतिशत डिजिटल लेनदेन भारत में होता है। हम भले ही छोटे लेनदेन के लिए यूपीआई करना पसंद करते हैं। लेकिन, पिछले कुछ सालों में यूपीआई के जरिये हो रहे लेन-देन की औसत वैल्यू में नरमी देखने को मिली है। वर्ष 2022 की दूसरी छमाही में यूपीआई की औसत वैल्यू 1,648 रुपये थी जो साल 2023 की दूसरी छमाही में 1,515 हो गई है। यूपीआई के औसत वैल्यू से हम समझ सकते हैं कि देश में यूपीआई के जरिये छोटे लेन-देने ज्यादा हो रहे हैं।

एनएसडीसी और आईएलओ ने कौशल विकास और आजीवन सीखने को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

स्किल इंडिया मिशन को आगे बढ़ाते हुए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के तत्वावधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने आज भारत और विश्व स्तर पर कौशल विकास और आजीवन सीखने को आगे बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी का उद्देश्य दुनिया भर में व्यक्तियों को आवश्यक दक्षताओं और योग्यताओं से लैस करके सशक्त बनाना है, जिससे रोजगार क्षमता और सतत आर्थिक विकास में वृद्धि हो सके। इस समझौता ज्ञापन पर एनएसडीसी के सीईओ और एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी श्री वेद मणि तिवारी और आईएलओ के एम्प्लॉयमेंट पॉलिसी, जॉब क्रिएशन एंड लाइवलीहुड डिपार्टमेंट के डारेक्टर श्री संघोन ली ने हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी में टैलेंट डेवलपमेंट में अपनी ताकत और विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए दोनों संगठनों की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई है। यह साझेदारी प्रभावी नीतियों, गवर्नेंस और फाइनेंसिंग स्ट्रक्चर को विकसित करने के लिए समर्पित है जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कौशल विकास को बढ़ाएगी। इस साझेदारी का एक प्रमुख पहलू स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) का कार्यान्वयन है। यह डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन कौशल विकास पहलों को सुव्यवस्थित करेगा, उनकी दक्षता, पहुंच और वैश्विक प्रभाव को बढ़ाएगा। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के सचिव श्री अतुल कुमार तिवारी ने साझेदारी की सराहना करते हुए कहा कि, 'हमें खुशी है कि हमारी साझेदारी का एक प्रमुख पहलू स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) को अपनाना है और आईएलओ के सदस्य देशों में सरकारों, श्रमिकों और एम्प्लॉयर ऑर्गेनाइजेशन, कॉस्ट-इफेक्टिव मॉडल के आधार पर सिस्टम, प्रोसेस, स्किल डिलिवरी और जॉब मैचिंग को डिजिटल बनाने के लिए सिद्ध का उपयोग करने में सक्षम होंगे।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।